वर्ष : 33 | अंक : 240 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शनिवार, 16 नवंबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

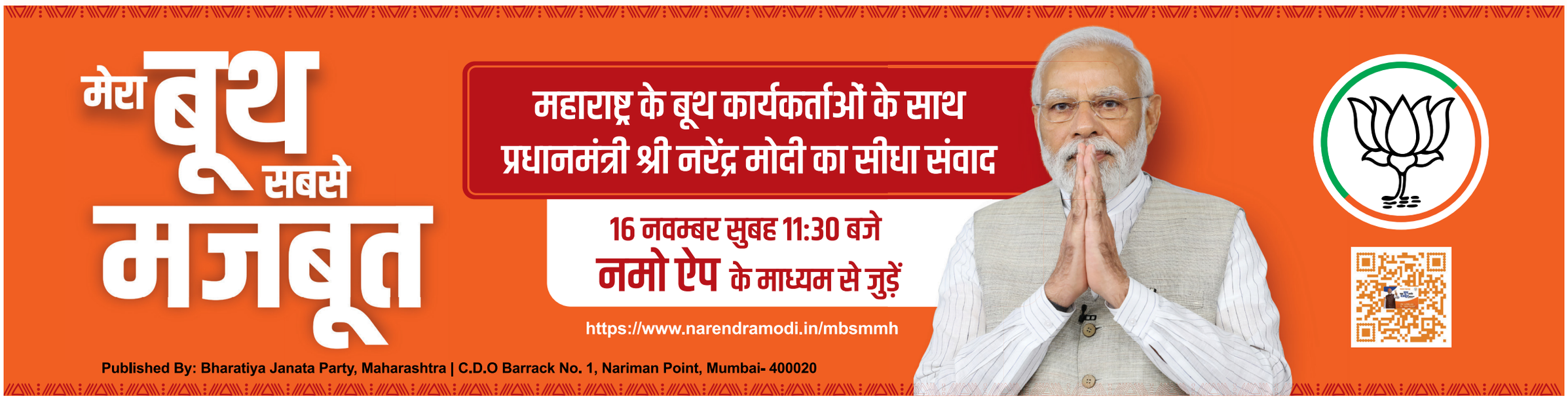

प्रधानमंत्री मोदी वक्फ कानून बदलकर रहेंगे : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने महाराष्ट्र में महायुति उम्मीदवारों के समर्थन में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया

अमित बृज । चंद्रपुर/यवतमाल/हिंगोली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। वह ऐसा करके रहेंगे। महाराष्ट्र में महायुति के उम्मीदवारों के समर्थन में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि मोदी सरकार 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा कर देगी। शाह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर और शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा करने की चुनौती दी।

उमरखेड़ में रैली को किया संबोधित

महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के उमरखेड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी वक्फ बोर्ड के कानून को बदलना चाहते हैं। लेकिन उद्धव ठाकरे, शरद पवार और सुप्रिया सुले इसका विरोध कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे कान खोलकर सुन लीजिए, आप सभी जितना विरोध करना चाहते हैं कर लीजिए, लेकिन नरेंद्र मोदी वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन को आगे बढ़ाएंगे। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) अध्ययन कर रही है। विधेयक अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया था। केंद्र सरकार ने विधेयक पेश करते हुए कहा था कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य वक्फ बोर्ड के कामकाज को व्यवस्थित करना और वक्फ संपत्तियों का कुशल प्रबंधन करना है।

पांडवों का प्रतिनिधित्व कर रहा महायुति

शाह ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत 20 नवंबर को होने वाले मतदान में दो खेमे हैं। उन्होंने कहा कि एक खेमा पांडवों का है जिसका प्रतिनिधित्व भाजपा के नेतृत्व वाला महायुति कर रहा है। दूसरा कौरवों का जिसका प्रतिनिधित्व महा विकास आघाडी (एमवीए) कर रहा है। उन्होंने कहा, एक सत्य के पक्ष में है, एक असत्य के पक्ष में है। एक ओर विकास और विरासत का संगम लाने वाले नरेंद्र मोदी की महायुति है और दूसरी तरफ सत्ता के लिए औरंगजेब फैन क्लब की गोद में बैठने वाले उद्धव ठाकरे और शरद पवार की आघाडी है। इनमें से आपको चुनाव करना है।

असली शिवसेना भाजपा के साथ

शाह ने कहा कि उद्धव ठाकरे दावा करते हैं कि उनकी शिवसेना असली है। उन्होंने सवाल किया कि क्या असली शिवसेना औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने के खिलाफ जा सकती है? उन्होंने कहा, क्या असली शिवसेना अहमदनगर का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने के खिलाफ जा सकती है? अब आपकी सेना केवल उद्धव सेना बनकर रह गई है। असली शिवसेना तो भाजपा के साथ है।

आतंकवाद और नक्सलवाद से देश को मुक्त कराने के लिए काम किया

चंद्रपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद और नक्सलवाद से देश को मुक्त कराने के लिए काम किया है। उन्होंने देश को समृद्ध बनाने और दुनिया में इसका सम्मान बढ़ाने के लिए काम किया है। शाह ने कहा, छत्तीसगढ़ में जो भी बचा (नक्सल खतरा) है, हम उसे 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर देंगे।

राहुल गांधी को दी सावरकर और बाल ठाकरे की प्रशंसा करने की चुनौती

हिंगोली में अपनी तीसरी रैली में शाह ने राहुल गांधी को वीर सावरकर और शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के बारे में अच्छे शब्द बोलने की चुनौती दी। शाह ने कहा, उद्धव ठाकरे राहुल गांधी से वीर सावरकर और बालासाहेब के बारे में दो अच्छे शब्द कहकर दिखाएं। शाह ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव तय करेगा कि राज्य छत्रपति शिवाजी महाराज और वीर सावरकर के रास्ते पर चलेगा या औरंगजेब की राह पर। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन महायुति ने शिवाजी महाराज और वीर सावरकर का रास्ता चुना है, जबकि महा विकास आघाडी के लोग औरंगजेब फैन क्लब का हिस्सा हैं।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर मामले को लेकर आयोग पहुंची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग से झारखंड में पार्टी नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने से कथित तौर पर रोकने की शिकायत की। पार्टी ने चुनाव प्रचार में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। निर्वाचन आयोग को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को प्रतिबंधों के कारण उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई। इसके कारण उनकी जनसभाओं में या तो देरी हुई या रद्द हो गईं।

'गौतम अडानी कभी हमारी बैठक में शामिल नहीं हुए'

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को उद्योगपति गौतम अडानी के 2019 विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में भाजपा-एनसीपी सरकार की संभावना पर चर्चा में शामिल होने की खबरों का खंडन किया। फडणवीस का स्पष्टीकरण एनसीपी नेता अजित पवार के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अडानी द्वारा दिल्ली स्थित अपने घर पर आयोजित सरकार गठन वार्ता में बीजेपी और एनसीपी के शीर्ष नेता शामिल थे। हालांकि, बाद में अजित पवार ने अपने दावे से पलटते हुए कहा था कि उनसे गलती हो गई।

वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से केंद्र का इनकार

आपदा में 400 से ज्यादा हुई थीं मौत

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र ने वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने से इनकार कर दिया है। इसको लेकर 10 नवंबर को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल सरकार को लेटर लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि SDRF-NDRF के मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत किसी भी आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

राज्य सरकार ने की थी मांग

अगस्त में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वायनाड लैंडस्लाइड को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी। इसके अलावा राहुल गांधी ने भी 7 अगस्त को लोकसभा में यही मांग की थी। दरअसल, वायनाड में 29 जुलाई की रात करीब 2 बजे और 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुए थे। इसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

नाबालिग पत्नी से सहमति से संबंध बनाना रेप

10 साल की सजा बरकरार, ट्रायल कोर्ट ने भी दोषी माना था

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाइकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की पत्नी के साथ शारीरिक संबंध को रेप माना जाएगा। व्यक्ति के खिलाफ रेप का मामला भी दर्ज किया जा सकता है। कोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ रेप के आरोपी एक व्यक्ति की 10 साल की सजा को बरकरार रखा। अदालत ने कहा नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से शारीरिक संबंध भी कानून के तहत बलात्कार ही माना जाएगा। अपीलकर्ता को 2019 में ट्रायल कोर्ट ने POCSO एक्ट के तहत दोषी ठहराया था। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील की थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

- जस्टिस गोविंद सनप की बेंच ने पत्नी के साथ रेप के लिए एक व्यक्ति की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी दलील को खारिज कर दिया। दोषी का तर्क था कि पीड़ित के साथ यौन संबंध सहमति से बनाए थे। उस समय वह उसकी पत्नी थी। ऐसे में इसे रेप नहीं कहा जा सकता।
- 12 नवंबर को जारी आदेश में जस्टिस सनप ने कहा, निर्धारित कानून के मद्देनजर यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती कि अपीलकर्ता का पीड़ित पत्नी के साथ शारीरिक संबंध बनाना रेप या सेक्शुअल वॉयलेंस नहीं माना जाएगा। यह बताना जरूरी है कि 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ सेक्स करना रेप है, फिर चाहे वह शादीशुदा हो या नहीं।

सबसे बड़े 'सियासी दानवीर' पर ईडी का शिकंजा

छापेमारी में 8.8 रुपए जब्त

एजेंसी । चेन्नई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चेन्नई में रहने वाले 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के कॉरपोरेट कार्यालय से शुक्रवार को 8.8 करोड़ रुपए जब्त किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मार्टिन राजनीतिक दलों को सबसे ज्यादा चंदा देने वालों में से एक था। उसने अब रद्द की जा चुकी चुनावी बॉण्ड योजना के तहत 1,300 करोड़ रुपए से अधिक का चंदा दिया था। बृहस्पतिवार को शुरू की गई छापेमारी कई राज्यों में दूसरे दिन भी जारी रही। ED के अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को मार्टिन के कॉरपोरेट कार्यालय से करीब 8.8 करोड़ रुपए जब्त किए गए, जिनमें से अधिकतर नोट 500 रुपए के थे। हालांकि कार्यालय कहां स्थित है, इस बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है। यह कार्रवाई मद्रास हाई कोर्ट द्वारा हाल ही में ईडी को मार्टिन के खिलाफ विस्तृत जांच की अनुमति देने के बाद हुई है। इससे पहले तमिलनाडु पुलिस ने मार्टिन व कुछ अन्य

लोगों के खिलाफ मामले को बंद करने का फैसला लिया था और निचली अदालत ने पुलिस की इस याचिका को स्वीकार कर लिया था। अधिकारियों ने कहा कि मार्टिन, उसके दामाद आधव अर्जुन और सहयोगियों से जुड़े तमिलनाडु के चेन्नई एवं कोयंबटूर, हरियाणा के फरीदाबाद, पंजाब के लुधियाना और पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित कम से कम 20 परिसर की ₹व्यापक₹ कार्रवाई के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी ने लॉटरी 'धोखाधड़ी' और लॉटरी की ₹अवैध₹ बिक्री के लिए मार्टिन और उसके व्यापार नेटवर्क के खिलाफ नए सिरे से कार्रवाई शुरू करने के लिए पुलिस की कई प्राथमिकियों का संज्ञान लिया है। एजेंसी ने इस मामले में पहले भी छापेमारी की थी। संघीय एजेंसी ने पिछले साल केरल में सरकारी लॉटरी की फर्जी बिक्री से सिक्किम सरकार को 900 करोड़ रुपए से अधिक के कथित नुकसान से जुड़े एक मामले में मार्टिन से जुड़ी लगभग 457 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी।

फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्रा. लिमिटेड सिक्किम लॉटरी का मुख्य वितरक था। ईडी 2019 से तमिलनाडु में 'लॉटरी किंग' के रूप में जाने जाने वाले मार्टिन के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। हाल ही में मार्टिन तब सुर्खियों में आया था जब निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के माध्यम से यह बात सामने आयी कि उसकी कंपनी (फ्यूचर गेमिंग) ने 2019 से 2024 के बीच 1,300 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के चुनावी बॉण्ड खरीदकर राजनीतिक दलों को चंदा दिया था।

दिल्ली में 900 करोड़ की कोकीन जब्त

शाह बोले- तस्करों पर जारी रहेगी कठोर कार्रवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में करीब 900 करोड़ रुपए की 80 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ सरकार की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

गुजरात में पकड़े गए नशीले पदार्थ का हवाला देते हुए शाह ने कहा, अवैध ड्रग्स के खिलाफ एक ही दिन में लगातार दो बड़ी कामयाबी मोदी सरकार के नशा मुक्त भारत बनाने के अटूट संकल्प को दर्शाती हैं। एनसीबी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में 82.53 किलोग्राम उच्च श्रेणी का कोकीन जब्त किया। एनसीबी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, जांच से पता चला है कि ड्रग सिंडिकेट को विदेश में बैठे लोगों के एक समूह द्वारा संचालित किया जा रहा था। जब्त किए गए ड्रग्स की कुछ मात्रा को कूरियर/छोटी कार्गो सेवाओं के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना था। इस मामले में शामिल लोग मुख्य रूप से 'हवाला ऑपरेटर' हैं और एक-दूसरे के लिए नहीं जानते हैं, जो ड्रग डीलिंग पर दिन-प्रतिदिन की बातचीत के लिए छद्म नामों का इस्तेमाल करते हैं।

पेज 5 भी देखें

NDA का विरोध करते-करते देश विरोध पर उतरे: जेपी नड्डा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने काफी अक्रामक एंट्री मारी है। ठाणे की एक बैठक में जोशीला भाषण देते हुए नड्डा ने कहा कि वो (कांग्रेस) NDA का विरोध करते-करते देश विरोध करने लगे। ये बात उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक पर बार-बार सबूत मांगने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कही।

सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र

ठाणे में बुद्धिजीवियों की एक बैठक में नड्डा ने कहा 26/11 का हमला यहीं मुंबई में हुआ। यूपीए सरकार डोजियर लेकर पाकिस्तान जाती रही। कसाब को बिरयानी परोसी गई। हालांकि, उरी की घटना के बाद 15 दिनों के भीतर पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक की। इसी तरह, पुलवामा के बाद 15 दिनों के भीतर एयर स्ट्राइक की गई और पाकिस्तान एक शब्द भी नहीं बोल सका। फिर भी, यहां हमारे देश में कांग्रेस के नेता सबूत मांग रहे हैं। एनडीए का विरोध करते-करते ये (कांग्रेस) देश का विरोध करने लगे।

'अघाड़ी को रोकना होगा'

केंद्रीय मंत्री ने मतदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि 20 तारीख को आपको अघाड़ी को रोकना होगा। नड्डा ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार गरीब, महिला, किसान और युवा समर्थक है और इसे जवाबदेह और उत्तरदायी बताया। उन्होंने कहा कि यह सरकार सांस्कृतिक और राजनीतिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। कांग्रेस पार्टी ने कभी अपने घोषणापत्रों को महत्व नहीं दिया और अक्सर चुनावों में पुराने घोषणापत्रों का इस्तेमाल किया। इसके विपरीत, मोदी जी के नेतृत्व में रिपोर्ट कार्ड की राजनीति उभरी है। हर मंच पर मोदी जी अपनी सरकार की उपलब्धियों का लेखा-जोखा देते हैं।

'देश की प्रगति को प्राथमिकता'

नड्डा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास पर ध्यान केंद्रित करके और देश की प्रगति की वकालत करके राजनीति की प्रकृति को बदल दिया है।उन्होंने कहा कि एक समय में राजनीति का मतलब तुष्टीकरण, फूट डालो और राज करो, जनता को गुमराह करना और भ्रष्टाचार था। हालांकि, मोदी जी ने राजनीति को विकास से जोड़कर और देश की प्रगति को प्राथमिकता देकर इसे फिर से परिभाषित किया है। भाजपा अध्यक्ष ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की भी आलोचना की और उस पर मुंबई मेट्रो, धारावी पुनर्विकास, बुलेट ट्रेन, कोस्टल रोड, पुणे आउटर लिंक रोड और नवी मुंबई हवाई अड्डे सहित महाराष्ट्र में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को रोकने का आरोप लगाया।

अमित शाह के हेलीकॉप्टर की हुई चेकिंग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के चुनाव में हेलीकॉप्टर की चेकिंग का मुद्दा गरमाया हुआ है। उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की चेकिंग के बाद हुए हंगामे के बाद बड़े-बड़े नेताओं के बैग की चेकिंग का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में शुक्रवार को हिंगोली में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बैग की चेकिंग की। बताया जा रहा है कि अमित शाह का हेलीकॉप्टर जैसे ही हिंगोली में उतरा

वैसे ही चुनाव आयोग के अधिकारी वहां पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने हेलीकॉप्टर और उनके बैग की चेकिंग की। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे और बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस का भी हेलीकॉप्टर चेक किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा कि "आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास करती है और माननीय चुनाव आयोग द्वारा बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है। हम सभी को एक स्वस्थ चुनाव प्रणाली में योगदान देना चाहिए और भारत को दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र बनाए रखने में अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

उद्धव ठाकरे के बैग की हुई थी जांच

बता दें कि कुछ दिन पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर और बैग की चेकिंग की गई थी। 12 व 13 नवंबर को चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए वणी और लातूर पहुंचने पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर और बैग की जांच की थी। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा और चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे। उद्धव ठाकरे के हंगामे के बाद चुनाव आयोग ने भाजपा और महायुति के बड़े-बडे नेताओं में हेलीकॉप्टर की जांच होने लगी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले के हेलीकॉप्टर की जांच भी चुनाव के अधिकारियों ने की।

रेलवे रियायत के लिए दिव्यांगजन आईडी कार्ड के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भुसावल। दिव्यांगजन (दिव्यांग व्यक्ति) के लिए रेलवे रियायत आईडी कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए एक नए ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की घोषणा करते हुए हमें खुशी हो रही है। इस पहल का उद्देश्य आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना और रेलवे रियायत योजना के तहत दिव्यांगजनों को मिलने वाले लाभों तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। नया पोर्टल उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस प्रदान करेगा, जिससे आवेदक अपने विवरण प्रस्तुत कर सकेंगे, आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकेंगे और अपने घर बैठे अपने आईडी कार्ड आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकेंगे। यह पहल विकलांग व्यक्तियों को सुलभता बढ़ाने और सहायता प्रदान करने के लिए सरकार के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि वे भारतीय रेलवे में रियायती किराए पर सुविधाजनक यात्रा कर सकें।

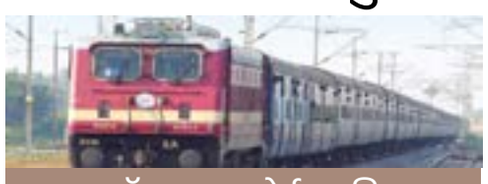

ऑनलाइन पोर्टल की मुख्य विशेषताएं

- आसान पंजीकरण: आवेदक पंजीकरण बना सकते हैं और आवश्यक विवरण ऑनलाइन भर सकते हैं।
- वास्तविक समय स्थिति अपडेट: हर चरण पर अपने आवेदन की प्रगति को ट्रैक करें।
- 24/7 पहुंच: किसी भी समय आवेदन करें और अपना आवेदन प्रबंधित करें।

पोर्टल को https://divyangjanid.indianrail.gov.in/ पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।
हम सभी दिव्यांगजन नागरिकों को इस नई सुविधा का लाभ उठाने और आसानी से अपने रेलवे रियायत आईडी कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

श्रद्धा वॉल्कर का कातिल आफताब लॉरेंस गैंग के निशाने पर

तिहाड़ जेल प्रशासन हुआ अलर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से सुर्खियों में आए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। खबरों के मुताबिक लॉरेंस की हिटलिस्ट में श्रद्धा वॉकर हत्याकांड का आरोपी आफताब पूनावाला का भी नाम है। पुलिस के मुताबिक लॉरेंस के गैंग तिहाड़ में आफताब में नजर रख रहे हैं। इस बात की जानकारी बाबा सिद्दीकी के हत्या का मुख्य आरोपी शिवकुमार गौतम ने पुलिस की दी है। शिव ने बताया कि उसका एक साथी शुभम लोनकर ने उसे बताया था कि तिहाड़ में बंद श्रद्धा वालकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी आफताब को भी मारना है।

आफताब पूनावाला की सुरक्षा बढ़ी

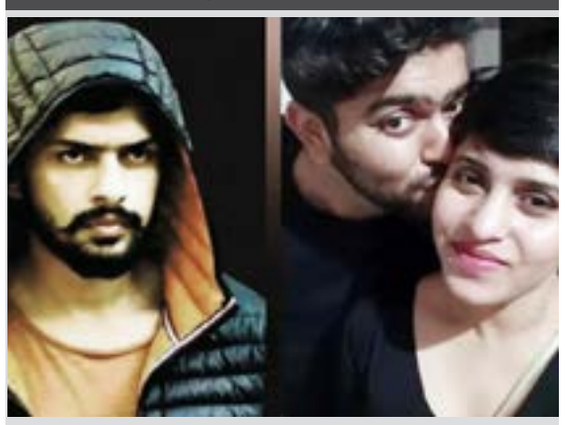

इस बात की जानकारी मिलने के बाद तिहाड़ प्रशासन ने आफताब पूनावाला की सुरक्षा काफी बढ़ा दी है। तिहाड़ ऑफिशियल के मुताबिक आफताब पूनावाला 4 नंबर जेल में बंद हैं। आपको बता दें कि पिछले साल जून के महीने में श्रद्धा वॉकर हत्याकांड की बात सामने आई थी, श्रद्धा वॉकर के दोस्त आफताब ने उसके 36 टूकड़े करके दिल्ली के छतरपुर के जंगलों में फेंक दिया था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने पूछताछ के दौरान इस बात का खुलासा किया है, शिव ने बताया कि उसके एक और साथी शुभम लोनकर ने उसे कहा था कि दिल्ली के तिहाड़ में बंद श्रद्धा वालकर हत्याकांड का मुख्य आरोपी आफताब पूनावाला का भी कत्ल करना है।

लारेंस के भाई अनमोल बिश्नोई ने कराई बाबा की हत्या

लारेंस के भाई अनमोल बिश्नोई ने अपने शूटर्स से पिछले महीने एनसीपी नेता और सलमान खान के खास दोस्त बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या करवा दी थी। इस मामले में कुछ वक्त पहले बाबा सिद्दीकी के कातिल शिवकुमार गौतम को गिरफ्तार किया है, जिससे मुम्बई क्राइम ब्रांच पूछताछ कर रही है। इसी पूछताछ में शिवकुमार ने श्रद्धा वालकर की बात बताई। शिवकुमार बाबा की हत्या के बाद काफी देर तक वहीं मौजूद था, इसके बाद वह नेपाल भागने की प्लानिंग में था, लेकिन उससे पहले पुलिस ने उसे 10 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया।

पालतू कुत्ते के भौंकने से नाराज व्यक्ति ने मां-बेटी पर किया हमला

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में अपने पड़ोसी के पालतू कुत्ते के भौंकने से नाराज एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला के साथ छेड़छाड़ की और उसकी बुजुर्ग मां के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार को शहर के कासरवडावली इलाके के ताकरदा में शाम करीब साढ़े चार बजे हुई। एक अधिकारी ने बताया कि 39 वर्षीय पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार जब पीड़िता का पड़ोसी गौतम उसके घर के पास से गुजर रहा था तो उस दौरान उसके (पीड़िता के) पालतू कुत्ते से भौंकना शुरू कर दिया और इस बात से गुस्साए 25 वर्षीय गौतम ने कुत्ते पर हमला करने के लिए पत्थर उठा लिया। उन्होंने बताया, 'पीड़ित महिला की 64 वर्षीय मां

ने उसकी हरकत पर उसे डांटा। यह देखकर गौतम की मां और एक अन्य महिला ने उनसे बहस शुरू कर दी। तीनों आरोपियों ने मां-बेटी की पिटाई की और शिकायतकर्ता महिला के कपड़े फाड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की।' उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर गौतम और उसकी मां माया (50) तथा नयना थापर (40) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 115 (2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नगरसेवक के घर पर आगजनी के मामले में दो लोगों को 10-10 साल की जेल

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र में ठाणे सत्र अदालत ने निगम पार्षद के घर में आगजनी कर अंदर मौजूद लोगों की हत्या करने के मामले में दो दोषियों को 10-10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जीजी भंसाली ने 13 नवंबर को जारी अपने आदेश में युनेब नासिर केवल (30) और आसिफ अनवर खान (35) पर तीन-तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) राखी पांडे ने कहा कि स्थानीय निगम पार्षद जुबेर इनामदार नशे और शराब के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए

इलाके में बैठकें कर रहे थे और तीन फरवरी, 2018 को हुई आगजनी की घटना इसी अभियान का नतीजा थी।

23 गवाहों से पूछताछ

पांडे ने कहा कि दोनों ने उस वक्त इनामदार के घर में आग लगाने की कोशिश की, जब निगम पार्षद और उनकी दो बेटियों सहित उनके विभिन्न परिजन उस दिन तड़के 3:30 बजे घर के अंदर सोए हुए थे। उनके अनुसार, दोनों ने इनामदार के घर के दरवाजे पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। एपीपी ने कहा कि केवल और खान पर भारतीय दंड संहिता के तहत हत्या के प्रयास और अन्य अपराधों का आरोप लगाया गया है। पांडे ने कहा, ''न्यायाधीश ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य पर भरोसा किया। अभियोजन पक्ष के 23 गवाहों से पूछताछ की गई।''

अजित दादा को जल्द समझ में आएगा कि बंटेंगे का क्या मतलब है: फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच बीजेपी की टेंशन बढ़ गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे के कारण महायुति में ही 'विभाजन' हो गया है। पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने साफ शब्दों में इसका विरोध किया था। इसके बाद बीजेपी नेता पंकजा मुंडे, अशोक चव्हाण, राधाकृष्ण विखे-पाटिल ने भी इस नारे का विरोध किया है। इस पर अब उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने टिप्पणी की है। क्या महायुति में शामिल सरकार में बैठे बीजेपी नेता 'बंटेंगे तो कटेंगे' का सही मतलब नहीं समझ पाए हैं? इस पर भी फडणवीस ने विस्तार से बात की है।

फडणवीस ने क्या कहा?

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी पार्टी का नारा बंटेंगे तो कटेंगे (विभाजन से विनाश होगा) कांग्रेस नीत महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के विभाजनकारी चुनाव प्रचार अभियान के जवाब में गढ़ा गया है। इस नारे का मूल संदेश यह है कि सभी को एक साथ रहना होगा। फडणवीस ने कहा कि इस नारे का मतलब यह नहीं है कि हम मस्लिमों के खिलाफ हैं। हमने यह नहीं कहा कि लाडली बहन योजना का लाभ मुस्लिम महिलाओं को नहीं दिया जाएगा।

बंटेंगे तो कटेंगे कांग्रेस की तुष्टिकरण का जवाब

बीजेपी नेता फडणवीस ने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे भी कांग्रेस और एमवीए की तुष्टिकरण (राजनीति) का जवाब है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान वोट जिहाद का प्रयोग किया और मस्जिदों में पोस्टर लगाए गए। इसमें लोगों से एक विशेष पार्टी को वोट देने का आग्रह किया गया। यह किस तरह की धर्मनिरपेक्षता है?

'महाविकास अघाड़ी के पक्ष में करें वोटिंग'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की सरगर्मियों के बीच 'वोट जिहाद' को लेकर पक्ष और विपक्ष की तरफ से जमकर बयानबाजी की जा रही है। महाराष्ट्र भाजपा के कुछ नेता तो यहां तक दावा कर रहे हैं कि वोट जिहाद के लिए महाराष्ट्र में विदेश से फंडिंग तक की गई है। इन सभी दावों के बीच एक दावा भाजपा के नेताओं की तरफ से यह भी किया गया कि ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने बीते दिनों महाविकास अघाड़ी को अपनी 17 मांगों वाला पत्र भेजा था। उलेमा बोर्ड ने अपने पत्र में कहा था कि वो आगामी विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को समर्थन देने के लिए तैयार है। लेकिन, उसकी एक शर्त है कि जब महाविकास अघाड़ी सत्ता में आ जाए, तो उसकी मांगों को पूरा करे। इस पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पत्र लिखकर कहा कि उसे ये सभी मांगें मान्य हैं।

भाजपा और उबाठा कार्यकर्ताओं की भिड़ंत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई / नासिक

महाराष्ट्र में 20 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान पैसे बांटने के आरोप पर शुक्रवार को नासिक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना (उबाठा) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दोनों गुट पुलिस के पास पहुंचे। हंगामा शाम पांच बजे हनुमान चौक पर उस वक्त शुरू हुआ, जब भाजपा के पूर्व पार्षद मुकेश शहाणे और उनके समर्थकों ने कुछ लोगों को पकड़ा और उन पर मतदाता पर्ची के साथ पैसे बांटने का आरोप लगाया। शहाणे ने आरोप लगाया कि विरोधी गुट ने उनके एक दोस्त पर धारदार हथियार से हमला किया और बंदूक भी लहराई। बाद में, नासिक (पश्चिम) सीट से शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवार सुधाकर बडगुजर के समर्थक मौके पर पहुंचे और भाजपा कार्यकर्ताओं से भिड़ गए। इस सीट से भाजपा ने मौजूदा विधायक सीमा हिरय को पुनः चुनाव मैदान में उतारा है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों गुट अंबाड पुलिस थाने पहुंचे, जबकि मामला शांत कराने के लिए आयुक्त संदीप कार्णिक भी वहां पहुंचे। महाराष्ट्र भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री पंकजा मुंडे भी अधिकारियों से बातचीत करने के लिए पुलिस स्टेशन पहुंचीं। मुंडे ने कहा, ''नासिक में ऐसी घटना बेहद निंदनीय है, खासकर तब, जब यहां से एक महिला चुनाव लड़ रही है। मैंने पुलिस से हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने को कहा है। अगर बाहर किए गए लोग हस्तक्षेप कर रहे हैं तो यह गलत है। हमारे एक कार्यकर्ता पर हमला किया गया।'

सरकार आने पर गद्दारों को बर्फ की सिल्ली पर सुलाएंगे: आदित्य

डीबीडी संवाददाता | दपोली

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर नेताओं की बयानबाजी तेज है। सभी दलों के नेता एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि चुनाव के दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं को धमकाने वालों को 'बर्फ की सिल्ली पर सुलाया' जाएगा।

योगेश कदम को बताया गद्दार

महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्र दपोली में बात करते हुए उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता रामदास कदम और उनके बेटे व स्थानीय विधायक योगेश कदम को गद्दार करार दिया।

सरकार बनने वाली है- आदित्य ठाकरे

महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे 20 नवंबर को होने वाले चुनाव से पहले दापोली में एक रैली में बोल रहे थे। आदित्य ठाकरे ने कहा, 'यह मेरी जिम्मेदारी है कि जो कोई भी आपको (शिवसेना यूबीटी कार्यकर्ताओं को) धमकाएगा, उसे बर्फ की सिल्ली पर सुलाऊं। हमारी सरकार बनने वाली है।'

ठाकरे के बयान पर रामदास कदम का पलटवार

विधान परिषद में पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामदास कदम ने आदित्य ठाकरे के बयान पर पलटवार किया है। रामदास कदम ने कहा कि जब वे एक ही पार्टी (अविभाजित शिवसेना) में थे तो उनका बेटा आदित्य ठाकरे का दोस्त था, लेकिन बाद में आदित्य ने दापोली में उनके करीबी लोगों को निष्कासित कर दिया। रामदास कदम ने दावा किया कि स्थानीय विधायक होने के बावजूद योगेश को दापोली नगर परिषद चुनावों के दौरान दरकिनार कर दिया गया। रामदास कदम ने कहा कि आदित्य ठाकरे ही गद्दार थे क्योंकि उन्होंने उनका मंत्रालय छीन लिया था। रामदास कदम देवेन्द्र फडणवीस सरकार में पर्यावरण मंत्री थे, लेकिन उन्हें बाद में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार में जगह नहीं मिली थी।

चुनाव प्रचार के लिए मराठी टीवी धारावाहिकों का इस्तेमाल कर रहे मुख्यमंत्री शिंदे: कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना प्रचार के लिए मराठी टेलीविजन धारावाहिकों का इस्तेमाल कर रही है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सचिन सावंत ने कहा कि उन्होंने यहां आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सावंत ने कहा, 'मुझसे कहा गया कि यह एक गंभीर मामला है और आवश्यक संज्ञान लिया जाएगा।' सावंत ने दावा किया कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पोस्टर कुछ टीवी धारावाहिकों के बाहर शूट हुए दृश्यों में दिखाए गए, जो आदर्श आचार संहिता का गंभीर उल्लंघन है।

इस बार मैदान में हैं 4 हजार से ज्यादा उम्मीदवार

पिछली बार से 27.7 प्रतिशत अधिक है संख्या

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर आगामी 20 नवंबर को मतदान होने हैं। एक चरण में होने वाले इस विधानसभा चुनाव के लिए इस बार यहां कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो कि 2019 में हुए विधानसभा चुनाव की तुलना में 27.7 प्रतिशत अधिक है। इन 4,136 उम्मीदवारों में से 2,086 निर्दलीय उम्मीदवार भी शामिल हैं। चुनाव प्रचार के लिए कुछ ही दिन शेष हैं और इन दिनों राज्य में हर तरफ चुनाव प्रचार जोरों पर हैं। इस बीच निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को प्रत्येक पार्टी के उम्मीदवारों के नाम वापस लेने और जांच के चरण में नाम खारिज होने के बाद अंतिम आंकड़े उपलब्ध करा दिए हैं। गौरतलब है कि साल 2019 के पिछले विधानसभा चुनाव में जब मुकाबला भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के बीच था, तो राज्य में कुल 3,239 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। पिछले दो सालों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुए विभाजन के कारण इस बार यहां राजनीतिक परिदृश्य अधिक विखंडित दिखाई दे रहा है।

चुनावी समर में भाजपा के 149 उम्मीदवार

महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं जिन पर जीत हासिल करने के लिए विभिन्न दलों के प्रत्याशी और निर्दलीय उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर देते नजर आएंगे। आगामी चुनाव में महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 59 उम्मीदवारों को टिकट दिया है।

कांग्रेस ने उतारे 101 प्रत्याशी

वहीं, विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों में से एक कांग्रेस पार्टी ने 101 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इसके अलावा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के 95 उम्मीदवार और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के 86 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस दौरान कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में सहयोगियों के बीच मैत्रीपूर्ण चुनावी मुकाबला भी देखने को मिलेगा। इसके अतिरिक्त बात करें छोटे राजनीतिक दलों की तो इसमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने 237 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने कुल 17 उम्मीदवार चुनावी रण में उतारे हैं।

बीकेसी मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में आग लगी

8 दमकल की गाड़ियों से पाया गया काबू

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मेट्रो स्टेशन के बेसमेंट में शुक्रवार को आग लग गई। जिसके चलते ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। बताया जा रहा है कि आग दोपहर करीब 1.10 बजे लगी। आग बीकेसी मेट्रो स्टेशन के अंदर 40-50 फुट की गहराई पर लकड़ी की चादरों, फर्नीचर और निर्माण सामग्री तक ही सीमित रही। इससे क्षेत्र में धुएं का गुबार छा गया।

नगर निकाय से मिली जानकारी के अनुसार आग से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। नगर निकाय के अधिकारी ने बताया कि स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आठ दमकल गाड़ियां और अन्य अग्निशमन वाहन मौके को मौके पर बुलाया गया।

प्रवेश/निकास ए4 के बाहर लगी आग

मुंबई मेट्रो 3 ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि "प्रवेश/निकास ए4 के बाहर आग लगने के कारण बीकेसी स्टेशन पर यात्री सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं, जिससे स्टेशन में धुआं भर गया। दमकल विभाग कार्य पर है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए हमने सेवाएं रोक दी हैं। एमएमआरसी और डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। कृपया वैकल्पिक मेट्रो सेवा के लिए बांद्रा कॉलोनी स्टेशन जाएं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।" मुंबई मेट्रो 3 ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा "बीकेसी मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन सेवाएं 2.45 बजे पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। हमें हुई असुविधा के लिए खेद है और सभी यात्रियों को उनके धैर्य और समझदारी के लिए धन्यवाद। आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

हादसे में कोई घायल नहीं

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे बीकेसी मेट्रो स्टेशन के निर्माणाधीन ए4 एंट्री/एग्जिट के पास आग लग गई। इससे स्टेशन परिसर के परिचालन वाले हिस्से में धुआं फैल गया। स्टेशन में मौजूद कर्मचारियों ने एहतियात के तौर पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए बीकेसी स्टेशन पर परिचालन को अस्थायी रूप से रोक दिया गया। सेक्शन के बाकी हिस्सों में मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई फायर ब्रिगेड ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है, और एमएमआरसी और डीएमआरसी दोनों के वरिष्ठ अधिकारी प्रतिक्रिया का प्रबंधन करने के लिए मौके पर मौजूद हैं। इस घटना के कारण किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है। बता दें कि बीकेसी मेट्रो स्टेशन मुंबई मेट्रो रेल निगम के तहत आरे जेवीएलआर और बीकेसी के बीच 12.69 किलोमीटर लंबे या एक्वा लाइन कॉरिडोर का हिस्सा है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था।

आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन

निर्वाचन आयोग को मिली 6 हजार से भी ज्यादा शिकायतें

- करोड़ों के जब्त किए सामान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के आगाज के साथ ही महाराष्ट्र में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। इसके बावजूद भी चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियों द्वारा जनता को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके चलते अब तक निर्वाचन आयोग के पास हजारों की तादात में शिकायतें आ चुकी है। निर्वाचन आयोग को एक माह में महाराष्ट्र में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित 6,382 शिकायतें प्राप्त हुईं। निर्वाचन आयोग को मिली इन शिकायतों में से मात्र एक शिकायत को छोड़कर बाकी सभी का निपटारा कर दिया गया है।

6 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की ओर से गुरुवार को बयान जारी किया गया है। इस बयान में कहा गया कि ये शिकायतें आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने यानी 15 अक्टूबर से लेकर 14 नवंबर के बीच निर्वाचन आयोग के 'सी-विजिल ऐप' के माध्यम से दर्ज की गईं। 'सी-विजिल' निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित एक मोबाइल ऐप है जिसके जरिए नागरिक चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते हैं। इस बयान में कहा गया है कि पिछले महीने प्राप्त कुल शिकायतों में से 6,381 का चुनाव आयोग द्वारा निस्तारण कर दिया गया है।

करोड़ों के सामान किए जब्त

इसमें कहा गया है कि शिकायत दर्ज होने पर संबंधित टीम जांच करती है और उचित कार्रवाई करती है।

बयान में कहा गया है कि 15 अक्टूबर से अब तक की गई कार्रवाई में राज्य और केंद्रीय एजेंसियों ने 536 .45 करोड़ रुपये के सामान जब्त किए हैं, जिसमें अवैध नकदी, शराब, मादक पदार्थ और कीमती धातुएं शामिल हैं। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं और मतगणना 23 नवंबर को होगी। मतदाताओं को किसी भी प्रकार का प्रलोभन देकर मतदान प्रभावित किए जाने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की जा रही है।

अनुमति न मिलने से मनसे ने रद्द की शिवाजी पार्क रैली

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच चुनाव प्रचार अपने चरम पर हैं। जहां सभी दलों के नेता चुनाव प्रचार के लिए ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं, वहीं मनसे ने अपनी शिवाजी पार्क रैली को रद्द कर दिया है। इस लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शुक्रवार को बताया कि निर्वाचन आयोग से अबतक रैली की अनुमति नहीं मिल पाने के कारण ऐसा किया गया है। यह रैली मुंबई के शिवाजी पार्क में 17 नवंबर को होने वाली थी। राज ठाकरे ने कहा कि रैली के बजाय अब वे मनसे प्रत्याशियों के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए मुंबई और ठाणे के विधानसभा क्षेत्रों में जायेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे अब भी अनुमति नहीं मिली है और मेरे पास बैठक के लिए केवल डेढ़ दिन है। इन डेढ़ दिनों में रैलियां करना मुश्किल हो रहा है। इसके बजाय मैं मुंबई और ठाणे के विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करूंगा।"

मनसे और शिवसेना के लिए खास है शिवाजी पार्क

मध्य मुंबई में स्थित शिवाजी पार्क भारतीय क्रिकेट के पालना के रूप में प्रसिद्ध है। इसके अलावा यह पार्क 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद बाल ठाकरे की पहली दशहरा रैली का स्थल भी था। तभी से इस मैदान पर दशहरा रैली का आयोजन करना शिवसेना की परंपरा बन गई। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की पुण्यतिथि 17 नवंबर को आती है। 2012 में इसी शिवाजी पार्क में बाल ठाकरे का अंतिम संस्कार भी किया गया था। ऐसे में इस दिन पर इन दोनों ही दलों के लिए इस पार्क में रैली करने का महत्व काफी बढ़ जाता है।

17 नवंबर को है बाल ठाकरे की पुण्यतिथि

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पिछले सप्ताह कहा था कि उनकी पार्टी ने 17 नवंबर को शिवाजी पार्क में एक रैली के लिए अनुमति मांगी थी, जो शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की पुण्यतिथि भी है। उन्होंने कहा था कि उस दिन उस मैदान में ठाकरे के लाखों समर्थक जुटेंगे। उन्होंने कहा था, ''इसलिए हम निर्वाचन आयोग और पुलिस से कह रहे हैं कि मामले को उलझाया न जाए। शिवसैनिक वैसे भी वहां जमा हो जाएंगे और आप उन्हें रोक नहीं सकते। यहां कोई आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है। इसलिए किसी भी तरह के टकराव से बचने के लिए हमें 17 नवंबर को रैली करने की अनुमति दी जाए।" फिलहाल दोनों ही दलों को निर्वाचन आयोग की ओर से रैली करने की अनुमति नहीं मिली है।

रविवार को मध्य रेलवे पर रहेगा मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए मध्य रेलवे रविवार यानी 17 नवंबर को मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा। मिली जानकारी के अनुसार, माटुंगा-मुलुंड के बीच अप और डाउन धीमी लाइनें सुबह 11.05 बजे से दोपहर 3.55 बजे तक प्रभावित रहेंगी। सुबह 10.14 बजे से दोपहर 3.52 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करने वाली डाउन स्लो लाइन सेवाओं को माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। जो सायन, कुर्ला, घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड स्टेशनों पर रुकेगी और फिर मुलुंड में डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएगी। इसके अलावा सुबह 11.07 बजे से दोपहर 3.51 बजे तक ठाणे से प्रस्थान करने वाली अप स्लो लाइन सेवाओं को मुलुंड में अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही कुर्ला और वाशी के बीच अप और डीएन हार्बर लाइनें सुबह 11.10 बजे से शाम 4.10 बजे तक प्रभावित रहेगी। हालांकि, ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी-कुर्ला और कुर्ला-पनवेल/वाशी के बीच विशेष सेवाएं चलेंगी।

जोगेश्वरी-गोरेगांव के बीच 12 घंटे का ब्लॉक

जोगेश्वरी एवं गोरेगांव के बीच ब्रिज संख्या 46 के री-गर्डरिंग कार्य हेतु अप और डाउन दोनों धीमी लाइनों के साथ-साथ अप और डाउन हार्बर लाइनों पर 12 घंटे का ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 16/17 नवंबर 2024 की मध्य रात्रि को 23 :30 बजे से 11 :30 बजे तक लिया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ उपनगरीय ट्रेन सेवाएं और कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी।

राम मंदिर स्टेशन पर नहीं रुकेगी ट्रेन

अधिकारी ने बताया कि अप और डाउन धीमी लाइनों की सेवाओं को अंधेरी और गोरेगांव/बोरीवली के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर चलाया जाएगा। ये सेवाएं राम मंदिर पर नहीं रुकेंगी। साथ ही मध्य रेल से चलने वाली हार्बर लाइन की सभी सेवाएं केवल अंधेरी तक चलेंगी और रिवर्स हो जायेंगी। चर्चगेट- गोरेगांव/बोरीवली की कुछ धीमी सेवाओं को अंधेरी से शॉर्ट टर्मिनेट एवं रिवर्स किया जाएगा। इसके अलावा अप और डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें 10-20 मिनट की देरी से चलेंगी।

चाचा-भतीजा को 30 दिनों में ठाकर अनुसूचित जनजाति वैधता प्रमाण पत्र प्रदान करने का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे के अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जांच समिति के एक परिवार के दो सदस्यों चाचा और भतीजा को 30 दिनों की अवधि में ठाकर अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाण पत्र देने का आदेश दिया है। अदालत ने समिति के उन्हें (चाचा और भतीजा) को ठाकर अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाण पत्र नहीं देने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति रविन्द्र घुगे और न्यायमूर्ति अश्विन भोबे की पीठ के समक्ष चाचा जयवंत बालकृष्ण सूर्यवंशी और भतीजा रोहन संपतराव सूर्यवंशी की याचिका पर सुनवाई हुई।

याचिका में दावा किया गया कि उन्होंने 22 दिसंबर 2023 और 24 अप्रैल 2024 को पुणे संभाग के अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जांच समिति के पास ठाकर अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। समिति ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ताओं के वकील ने दलील दी कि जयवंत के भाई और रोहन के पिता संपतराव सूर्यवंशी और उनकी बहन अलका को हाई कोर्ट के आदेश पर समिति द्वारा ठाकर अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाण पत्र दिया गया है, तो समिति संपतराव के उनके बेटे और भाई को ठाकर अनुसूचित जनजाति के वैधता प्रमाण पत्र देने से कैसे इनकार कर सकती है?

गोविंद पानसरे हत्याकांड

अब और जांच की जरूरत नहीं : बॉम्बे हाईकोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि 2015 के गोविंद पानसरे हत्याकांड में अब और जांच की जरूरत नहीं है। जांच एजेंसी ने कई बार कहा है कि उसने मामले की गहन जांच की है, जिसके चलते अदालत पानसरे परिवार द्वारा दायर याचिका को बंद करने पर विचार कर रहा है। याचिका में केस ट्रांसफर करने की मांग की गई थी।न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ समक्ष आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने हलफनामा पेश किया, जिसमें कहा गया कि सभी संभावित कोणों की जांच की गई है। जब पीठ ने पूछा कि क्या मामले की जांच पूरी हो गई है, तो अभियोजक ने इसकी पुष्टि की। पानसरे परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अभय नेवागी ने दलील दी कि हत्या के पीछे का असली मास्टरमाइंड अभी भी अज्ञात है और पानसरे परिवार की बढ़ी हुई सुरक्षा बड़े खतरों का संकेत देती है। नेवागी ने इस मामले को नरेंद्र दाभोलकर और पत्रकार गौरी लंकेश की हाई-प्रोफाइल हत्याओं से जोड़ा, जिससे एक व्यापक साजिश का संकेत मिलता है। अदालत ने वकील नेवागी के दावे को निराधार पाया और कहा कि ऐसे संबंधों का समर्थन करने वाला कोई सबूत नहीं है। जांचकर्ता बिना आधार के सबूत नहीं बना सकते या लोगों पर आरोप नहीं लगा सकते।

पॉक्सो मामला

जमानत आवेदन पर पीड़ित को सुने बिना सुनवाई नहीं की जा सकती

- अदालत ने पनवेल के पॉक्सो न्यायालय के आरोपी को दी गई जमानत को किया रद्द
- विशेष न्यायालय को आरोपी की जमानत पर फिर से पीड़ित का पक्ष सुनते हुए सुनवाई का दिया निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाबालिग से दुराचार के मामले में अहम आदेश देते हुए कहा कि पोक्सो मामले में जमानत आवेदन पर पीड़ित को सुने बिना सुनवाई नहीं की जा सकती है। अदालत ने पनवेल के विशेष पोक्सो न्यायालय द्वारा आरोपी को दी गई जमानत को रद्द कर दिया और न्यायालय को आरोपी की जमानत आवेदन पर फिर से पीड़ित का पक्ष सुनते हुए सुनवाई का निर्देश है।

क्या था पूरा मामला?

पूरन पुलिस थाने के अंतर्गत 9 साल की बच्ची इस साल 7 जनवरी की शाम को अपने घर के बाहर साइकिल चला रही थी। जब वह अपनी साइकिल घर के पास रख रही थी, तो इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला 55 साल का व्यक्ति बच्ची के पास आया और उसके गुप्तांग को छूते छेड़छाड़ करने लगा। बच्ची रोते हुए अपने घर में गई और अपनी मां को सारी बात बताई। बच्ची ने बताया कि इससे पहले भी उस व्यक्ति ने उसके साथ छेड़छाड़ की कोशिश की थी। जब बच्ची के माता-पिता उस व्यक्ति के घर पर जाकर पूछताछ की, तो उसने बच्ची के आरोप से इनकार किया। इसके बाद बच्चों के माता-पिता ने व्यक्ति के खिलाफ उरण पुलिस स्टेशन में शिकायत की। पुलिस ने पोस्को की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया और पीड़िता का बयान 164 धारा के तहत दर्ज किया।

दायर याचिका पर सुनवाई

न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की एकलपीठ के समक्ष पीड़िता की ओर से वकील गणेश गुप्ता की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के वकील गणेश गुप्ता ने दलील दी कि पोक्सो जैसे गंभीर और गैरजमानती मामले में पनवेल के विशेष न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने इस साल 12 मार्च को आरोपी को जमानत दे दिया। आरोपी के जमानत आवेदन पर सुनवाई के दौरान पीड़ित का पक्ष भी नहीं सुना गया। उरण पुलिस ने आरोपी को 12 मार्च को गिरफ्तार किया और विशेष न्यायालय में आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। उसी दिन यानी 12 मार्च को ही आरोपी को जमानत मिल गई। जबकि बॉम्बे हाई कोर्ट ने 'अर्जुन किशनराव मालगे बनाम महाराष्ट्र राज्य' के मामले में अपने आदेश में कहा था कि पोक्सो मामले में जमानत आवेदन पर पीड़ित को सुने बिना सुनवाई नहीं की जा सकती है। पीठ ने पीड़ित के वकील की दलील को स्वीकार करते हुए पनवेल के विशेष न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के आरोपी को जमानत देने के आदेश को रद्द कर दिया और न्यायाधीश को आरोपी के जमानत आवेदन पर पीड़ित का पक्ष सुनते हुए सुनवाई करने का निर्देश दिया।

मध्य रेल

अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण के लिए अनुबंध

मुंबई मंडल के विभिन्न माल गोदाम के परिसर में माल की उतराई के दौरान गिरे हुए सीमेंट और अन्य अपशिष्ट सामग्री की सफाई और माल गोदाम कार्यालयों की हाउसकीपिंग सहित कचरे के संग्रह पृथक्करण और उसका निपटारा के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध निविदा की आमंत्रित करने का नोटिस **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर अपलोड किया गया है, सभी निविदाकर्ताओ से अनुरोध है की निविदा संबंधित विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** जाकर स्वयं को अद्यतन करें। **निविदा संख्या:** BB-C-130-WA-TPND2-24 **माल गोदाम का नाम:** तलोजा पंचानंद (दीपीएनडी), **प्रति वर्ष आरक्षित मूल्य रुपये में:** रु. 2,61,999/- **निविदा संख्या:** BB-BB-C-130-WA-NGSM-2-24 **माल गोदाम का नाम:** न्यू मुलुंड (एनजीएसएम), **प्रति वर्ष आरक्षित मूल्य रुपये में:** रु.10,64,000/- **निविदा संख्या:** BB-C-130-WA-KYN2-24 **माल गोदाम का नाम:** कल्याण (केवाईएन), **प्रति वर्ष आरक्षित मूल्य रुपये में:** रु.1,64,000/- **निविदा समापन की तिथिसमय: 05.12.2024 को 15.00 बजे।** विषय निविदा के संबंध में आगे परिशिष्ट शुद्धिपत्र/समय विस्तार, स्पष्टीकरण आदि यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को खुद को अपडेट रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए। सशर्त प्रस्तावों को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जाएगा।

Apex-550 **डीआरएम (सी), सीएसएमटी, मुंबई.**

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

बुलडोजर पर न्याय का हथौड़ा

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है। इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन-प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है। जो कालांतर लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा।

बदलते भारत की बदलती तस्वीर

जया वर्मा सिन्हा
स्वतंत्र लेखन। भारतीय रेल की पहली महिला चेयरमैन एवं सीईओ रहीं हैं।

विविधताओं से भरा अपना देश निराला है। अपने यहाँ, चीज़ों को अलग नज़रिए से देखने की प्रशस्त परंपरा रही है। हमारे लिए गंगा और गोदावरी सिर्फ़ नदियों के नाम नहीं, जीवन दायिनी माँ के पर्यायी हैं। संगीत, कानों को सुख देने का सिर्फ़ साधन नहीं, सुरों की साधना का ज़रिया है।कुछ वैसे ही, हम देशवासियों के लिए, भारतीय रेल, महज़ एक अदद इंजन और डेढ़ दर्जन डिब्बों से लैस गाड़ी नहीं, घर परिवार से दूर जीविकार्जन कर रहे हमारे श्रमिकों, किसानों, जवानों और करोड़ों नागरिकों का अपने परिवारों और प्रियजनों से भावनात्मक रिश्तों को जोड़ता एक पुल है। पूरब से पश्चिम, और उत्तर से दक्षिण बिछी पटरियों पर सिर्फ़ हमारी ट्रेनें नहीं दौड़तीं - उनसे होकर रिश्तों के एहसास गुज़रते हैं। विराट भारत देश की विविधताओं को अपने अंतर में समेटे, भारतीय रेल, भारत सरकार की प्रतिनिधि भी है, और देशवासियों की आकांक्षाओं का प्रतीक भी!

इन आकांक्षाओं की अग्नि परीक्षा हर साल त्योहारों के मौसम में होती है, जब परिवार से दूर जीवन यापन कर रहे करोड़ों देशवासी अपने घरों को लौटते हैं। महानगरों की गुमनामी भरी ज़िन्दगी में, साल भर की जी तोड़ मेहनत के बाद, अपनों से मिलने के अरमान लिए ये मेहनतकश एक विशाल समूह में निकल पड़ते हैं रेल के सफ़र पर। संख्या इतनी ज़्यादा, कि अगर आपने उस परिवेश में कभी काम ना किया हो, तो देखते ही हाथ-पाँव फूल जायें। और, अगर बात त्योहार और विशेष दिनों में उमड़ते जन-सैलाब की हो, तो सिर्फ़ रेल संचालन से बात नहीं बनती। आपको रेलवे स्टेशन पर आये लोगों के सुचारू रूप से ठहरने, टिकट ख़रीदने, जलपान आदि की भी पर्याप्त व्यस्तता करनी होती है। इसके लिए रेल अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग मिलता है। भारतीय रेल प्रशासन को करोड़ों की संख्या में आये यात्रियों को अपने गंतव्यों तक पहुँचने का कई दशकों का अनुभव है, पर अब सारी कोशिश इस अनुभव को क्रमशः सुखद बनाने की है।

अगर विदेशी मेहमानों से कभी इस विषय पर चर्चा हो, तो वे दांतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। यातायात प्रबंधन की जानकारी रखने वाले कई साथी, यह सुनकर कि त्योहारों के दौरान रेलवे ने एक लाख सत्तर हज़ार ट्रेनों के फेरों के अलावा 7,700 विशेष ट्रेनों का संचालन किया, हैरत में पड़ जाते हैं। अब आप, सूरत के पास स्थित औद्योगिक शहर ऊधना को ही ले लीजिये - यहाँ के रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन सात-आठ हज़ार यात्रियों का आवागमन होता है - चार नवंबर को इस छोटे से स्टेशन पर चालीस हज़ार से ज़्यादा की भीड़ उमड़ आयी। अगर, रेलवे प्रशासन ने एक टीम की तरह काम करते हुए उचित व्यवस्थाएँ ना की होती, तो यात्रियों की परेशानी का अन्दाज़ लगाना भी मुश्किल होता। त्योहार के दौरान, देश भर में सबसे अधिक आवागमन नई दिल्ली स्टेशन से हुआ। इस अवधि में सिर्फ़ इस स्टेशन से, यात्रियों की माँग पर एक दिन मे 64 स्पेशल और 19 अनारक्षित ट्रेनों का संचालन किया गया।

विदेशी मेहमानों से भरी एक सभा में जब त्योहारों में रेल यात्रा की चर्चा हुई, तो एक राजनयिक यह सुनकर दंग रह गये कि इस साल अकेले छठ महापर्व के पहले, 4 नवम्बर को, लगभग 3 करोड़ लोग ट्रेन से अपने गंतव्यों तक गये, और त्योहार के दिनों में तो रेलवे ने लगभग 25 करोड़ यात्रियों को यात्रा करने में मदद की। संबंधित राजनयिक ने, हल्की मुस्कान के साथ कहा कि पाकिस्तान की कुल आबादी से ज़्यादा लोगों ने तो महज़ कुछ दिनों में ही आपकी ट्रेनों में यात्रा की!

भारतीय रेल को यह एहसास है कि देश के पूर्वी हिस्सों से बड़ी संख्या में उद्योग केंद्रों में श्रम कर रहे हमारे इन भाई-बहनों का देश के निर्माण में अहम किरदार है। जम्मू की अटल टनल से लेकर मुंबई की सी-लिंक तक, और बेंगलुरु की आई-टी प्रतिष्ठानों से लेकर दिल्ली के निर्माणाधीन भवनों तक को, पूरब की मिट्टी में रचे बसे लोगों ने अपने हाथों से गढ़ा है। देश की सीमाओं पर तैनात फ़ौज या सीमा सुरक्षा बल के जवान हों, पंजाब के खेतों में फ़सल उगा रहे मज़दूर, सरकारी ऑफिसों तथा निजी संस्थानों में सेवारत कर्मचारी, बड़े-बुज़ुर्ग, या देश की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थी, ये सब अपने अपने तरीक़ों से आज और आनेवाले कल के भारत को गढ़ रहे हैं।

भारतीय रेल भी आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत जैसी ट्रेनों के लगातार विस्तार और देशभर में हजार से ज़्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन में बदलकर एक नयी और विश्वस्तरीय यात्रा पर चल पड़ी है। बदलते भारत की बदलती तस्वीर भारतीय रेल के स्वरूप मे अब उभरने लगी है।

जीवन मंत्र

अंतर्मुखी श्रीपूज्य सागर महाराज

अच्छे कार्य असली सुंदरता

तोता पूरी उदासी के साथ बोला, खुश तो था, लेकिन जब मैंने मोर को देखा है, तब से बहुत दुखी हूं, क्योंकि वह बहुत सुंदर है। मैं उसकी सुंदरता के सामने कुछ भी नहीं।' कौआ अब मोर को ढूंढ़ने लगा।

हम में दूसरों से तुलना करने की बुरी आदत होती है। ज्यादातर लोग तुलना में ही जीते हैं और इसीलिए दुखी रहते हैं। बहुत पुरानी बात है। जंगल में एक कौआ रहता था। एक दिन उसने खुद को पानी में देखा, तो कुछ ज्यादा चिंतित हो गया। उसने अपने शरीर को बार-बार निहारा। उसने दूसरों के साथ अपनी तुलना का काम शुरू कर दिया। वह सोचने लगा कि पक्षियों में मैं सबसे ज्यादा कुरूप हूं, न तो मेरी आवाज ही अच्छी है, न ही पंख सुंदर हैं। मैं काला-कलूटा भी हूं। दूसरे कुछ पक्षियों का भी रंग काले के आसपास है, पर मेरे जैसा काला

जंगल में कोई और नहीं है। यह काला रंग मैं छुड़ा भी नहीं सकता। कोशिश करूंगा, तब भी नहीं छूटेगा। ऐसा सोचते-सोचते उसके अंदर हीन भावना भरने लगी और वह बहुत दुखी रहने लगा।

एक दिन एक भले बगुले ने उससे उसकी उदासी का कारण पूछ लिया। शुरू में तो कौए ने टालने की कोशिश की, पर बगुला अपने सवाल के साथ पीछे पड़ गया, तब कौआ बोला, तुम कितने सुंदर हो, गोरे-चिट्टे हो, मैं तो बिल्कुल स्याह वर्ण का हूं। तुम सबके इतने सुंदर संसार में मेरा तो जीना ही बेकार है। यह सुनकर बगुला भी उदास हो गया, क्योंकि वह भी अपनी तुलना दूसरों से करता रहता था। बगुले दुख के साथ जवाब दिया, 'दोस्त मैं कहां सुंदर हूं? मैं जब तोते को देखता हूं, तो यही सोचता हूं कि मेरे पास उसके जैसे हरे पंख और लाल चोंच क्यों नहीं है?' अब कौए में सुंदरता को जानने की उत्सुकता और बढ़ गई। वह तोते के पास पहुंच गया। तोते से बोला, 'तुम इतने सुंदर हो, तुम तो बहुत खुश होते होगे?' यह सुनकर तोता भी उदास हो गया, क्योंकि वह भी दूसरों से अपनी तुलना किया करता था। तोता पूरी उदासी के साथ बोला, खुश तो था, लेकिन जब मैंने मोर को देखा है, तब से बहुत दुखी हूं, क्योंकि वह बहुत सुंदर है। मैं उसकी सुंदरता के सामने कुछ भी नहीं।' कौआ अब मोर को ढूंढ़ने लगा। जंगल के अन्य पक्षियों ने बताया कि सारे मोर चिड़ियाघर वाले पकड़ कर ले गए हैं। मोर वहीं मिलेंगे।

अब कौआ उड़कर चिड़ियाघर गया, वहां एक पिंजरे में बंद मोर से उसकी बात हुई। कौए ने मोर की तारीफ की और अपने कुरूप होने का रोना रोया, पर यह सुनकर मोर भी रोने लगा। कौए ने पूछा, 'तुम क्यों रो रहे हो, तुम तो कितने सुंदर हो?' रोते हुए मोर ने कहा, 'शुक्र मनाओ कि तुम उतने सुंदर नहीं हो, तभी आजादी से घूम रहे हो, वरना मेरी तरह किसी पिंजरे में बंद होते।'

कौए की समझ में आ गया कि हर हाल में खुश रहना ही अच्छा है। दूसरों से तुलना करके दुखी होना बुद्धिमानी नहीं है। वास्तव में, असली और स्थायी सुंदरता हमारे अच्छे कार्यों से ही पैदा होता है।

शख्सियत | बोम्मिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी

भारतीय सिनेमा के अग्रणी निर्देशक

बोम्मिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी का जन्म 16 नवंबर 1908 को आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के मडकसरू गांव में हुआ था। वह भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित निर्देशक और निर्माता थे, जिन्हें तेलुगु फिल्म उद्योग में उनके योगदान के लिए बेहद सम्मानित किया जाता है। रेड्डी न केवल एक कुशल फिल्मकार थे, बल्कि एक दूरदर्शी इंसान भी थे, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

नरसिम्हा रेड्डी का रुझान शुरू से ही कला और साहित्य की ओर था, जिसने उन्हें फिल्मों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 1930 के दशक में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और जल्द ही अपनी विलक्षण दृष्टि और तकनीकी समझ के लिए जाने गए। उनकी पहली निर्देशित फिल्म 'वारा विक्रयम' थी, जो तेलुगु सिनेमा में मील का पत्थर मानी जाती है। इसके बाद उन्होंने 'मल्लीश्वरी' और 'रक्त कांठा' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया, जिन्हें न केवल व्यावसायिक सफलता मिली, बल्कि समीक्षकों की भी सराहना मिली। उनकी फिल्मों की कहानी, निर्देशन और संगीत ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई। बोम्मिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी को उनके योगदान के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले। उन्हें 1974 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उनकी सिनेमाई प्रतिभा और भारतीय फिल्म उद्योग में उनके योगदान का प्रमाण है। रेड्डी की फिल्मों ने भारतीय परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को बड़े पर्दे पर उतारने का कार्य किया। उन्होंने न केवल मनोरंजन पर ध्यान केंद्रित किया, बल्कि समाज को शिक्षित और प्रेरित करने का प्रयास भी किया। इस महान फिल्मकार का निधन 8 नवंबर 1977 को हुआ, लेकिन उनकी विरासत आज भी जीवित है। बोम्मिरेड्डी नरसिम्हा रेड्डी भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक अद्वितीय सितारे के रूप में हमेशा याद किए जाएंगे।

जीवन ऊर्जा | जीन ले रोंड डी'अलैंबर्टः जन्म-17 नवंबर 1717 | जन्म

जिज्ञासा प्रगति का इंजन और ज्ञान की नींव है

जीन ले रोंड डी'अलैंबर्ट का जन्म 16 नवंबर 1717 को फ्रांस में हुआ था। वे एक महान गणितज्ञ, भौतिक विज्ञानी और दार्शनिक थे। उन्होंने विज्ञान और गणित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन 29 अक्टूबर 1783 को हुआ। डी'अलैंबर्ट की विचारधारा तर्क और ज्ञान पर आधारित थी।

सत्य की खोज उसकी प्राप्ति से अधिक मूल्यवान है। गणित हमें यह आशा देता है कि हर समस्या का समाधान होता है। प्रतिभा महान कार्यों की शुरुआत करती है, परिश्रम उन्हें पूरा करता है। जिज्ञासा प्रगति का इंजन और ज्ञान की नींव है। संदेह ही जांच का बीज है और ज्ञान का मार्ग है। परिश्रम के बिना, प्रतिभा भी छिपी और अनुपयोगी रह जाती है। ज्ञान साझा करने से बढ़ता है। अज्ञान छिपाने से। विपत्ति बाधा नहीं है, बल्कि उससे ऊपर उठने का अवसर है। विज्ञान और तर्क अंधकार को रोशन करने वाली मशालें हैं। भविष्य उन्हीं का है जो वर्तमान की सीमाओं को नकारने का साहस रखते हैं। सच्ची स्वतंत्रता प्रश्न करने और तर्क करने की क्षमता में है। सफलता केवल क्षमता से नहीं। बल्कि धैर्य से आती है।

ज्ञान की खोज मानव प्रयासों में सबसे महान है। हमारा मस्तिष्क तब बढ़ता है जब हम अपनी समझ की सीमाओं को चुनौती देते हैं। सत्य, भले ही कभी-कभी कठिनाई से मिलता है, सच्चे प्रयास करने वालों को हमेशा पुरस्कृत करता है। एक महान खोज अक्सर कई छोटी असफलताओं का परिणाम होती है। कल्पना नवाचार को प्रेरित करती है। लेकिन तर्क यथार्थ को आकार देता है। सबसे महान मस्तिष्क वे हैं जो स्पष्ट चीजों पर भी संदेह करने का साहस रखते हैं। अपनी जिज्ञासा को प्रेरणा बनाए रखें और अपने जुनून को सहारा दें। बुद्धिमत्ता सभी उत्तर जानने में नहीं। बल्कि सही प्रश्न पूछने में है। हर असफलता एक पाठ सिखाती है। हर पाठ सफलता को आकार देता है। तर्क वह प्रकाश है जो हमें गहन अज्ञान के अंधकार से बाहर लाता है। दुनिया को समझने के लिए पहले हमें खुद को समझना होगा। साहस भय की अनुपस्थिति नहीं है।बल्कि महानता की खोज में इसे नियंत्रित करना है। जब दृढ़ संकल्प द्वारा प्रेरित हो, तो मानव मन की शक्ति असीमित होती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

संयम अर्थात एक युद्ध स्वयं के विरुद्ध

स्वयं द्वारा स्वयं के विरुद्ध छेड़ा जाने वाला संग्राम ही संयम कहलाता है। और सरल करें तो संयम की परिभाषा मात्र इतनी कि संयम अर्थात् एक युद्ध स्वयं के विरुद्ध

संयम मानवीय गुणों में एक प्रधान गुण है पशुओं में स्वयं के विरुद्ध कोई युद्ध देखने को नहीं मिलता। पशुओं में इन्द्रिय निग्रह देखने को नहीं मिलता अर्थात् पशुओं में संयम नहीं होता है। इसका सीधा सा अर्थ यह हुआ कि जिस जीवन में संयम नहीं वह

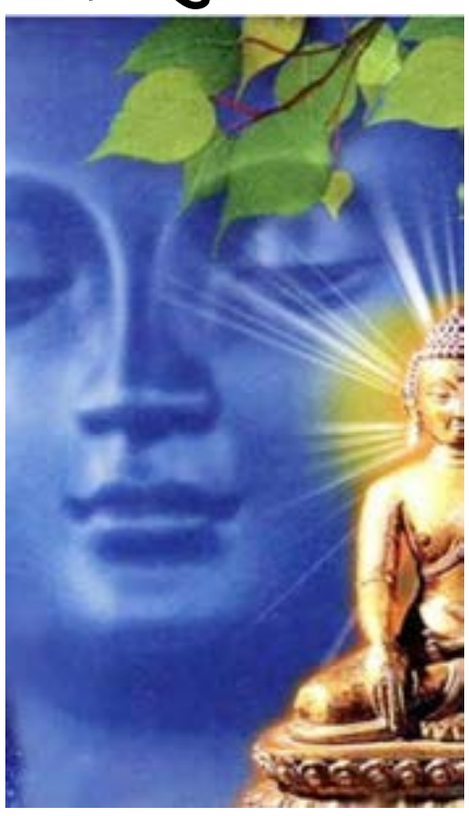

जीवन पशु भले न हो मगर मगर पशुवत जरूर हो जाता है असंयमितता जीवन को पतन की ओर ले जाती है असंयमित जीवन एक असंतुलित वाहन की तरह होता हैजिसमें चालक वाहन के ऊपर से अपना नियंत्रण पूरी तरह खो चुका होता है।अब थोड़ी देर से सही मगर वाहन का दुर्घटनाग्रस्त होना सुनिश्चित हो जाता है।

जीवन में संयमी और शुभ कार्यों में अग्रणी ये श्रेष्ठ व्यक्तियों के लक्षण होते हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

पैरेटो का 80/20 सिद्धांत भी ध्यान रखें

पेरेटो प्रिंसिपल में कहा जाता है कि 80 प्रतिशत नतीजे केवल 20 प्रतिशत प्रयासों से प्राप्त हो सकते हैं। यह सिद्धांत आज भी बहुत से लोगों के लिए सहायक सिद्ध होता है। हालांकि अपने जीवन में हम इस सिद्धांत को नजरअंदाज कर देते हैं। इस सिद्धांत को असरकारी तरीके से इस्तेमाल कर हम एक अच्छा जीवन जी सकते हैं। इस 80/20 के सिद्धांत को हम अपने करियर, संबंधों, स्वास्थ्य, आदतों, लक्ष्य प्राप्ति, उत्पादक क्षमता, भावों और संक्षेप में कहें तो प्रत्येक क्षेत्र में अपना सकते हैं। हम सम्पूर्ण में से 20 फीसदी महत्वपूर्ण चीजों को प्राथमिकता दे सकते हैं जिनसे के कि हमें 80 रिजल्ट प्राप्त होता है। सबसे अच्छा यही होगा कि हमें अपने लक्ष्य की छोटी से बड़ी, सभी बातों का पता होना चाहिए। अब पहचानें कि 80/20 के सिद्धांत में कौन से लक्ष्य फिट बैठते हैं। ऐसे कुछ 20 प्रतिशत लक्ष्य भी होते हैं, जो आपको 80 प्रतिशत संतुष्टि या खुशी देते हैं। कई बार यह पहचानना भी जरूरी होता है कि आपका मंतव्य पूरा हो रहा है या नहीं। सबसे बड़ी सफलताएं कभी आसान नहीं होतीं। उनके पीछे कठोर परिश्रम और प्रयास होते हैं। हमारा मौजूदा जीवन भी हमारे प्रयासों का नतीजा होता है। यह हम पर ही निर्भर करता है कि उसमें और सुधार करें। जो भी हम कर रहे हैं या करना चाहते हैं, उसमें अपना श्रेष्ठतम संभव प्रयास करें।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज ब्रीफ

अनवर के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज

कन्नूर। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के राजनीतिक सचिव पी शशि ने शुक्रवार को निर्दलीय विधायक पी वी अनवर के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज कराई। शशि ने विभिन्न मुद्दों पर उनके और मुख्यमंत्री के खिलाफ लगातार आरोप लगाने को लेकर अनवर के खिलाफ यह शिकायत दर्ज कराई है। शशि ने यहां थालास्सेरी जिला अदालत के बाहर संवाददाताओं से कहा कि अनवर के आरोपों का निशाना मुख्यमंत्री हैं।

50 तीर्थयात्रियों से भरी बस हुई दुर्घटनाग्रस्त

लक्सर। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में एक और बड़ा हादसा हो गया। हरिद्वार-लक्सर रोड पर राजस्थान की प्राइवेट बस पेड़ से टकरा गई। हादसे के वक्त बस में राजस्थान के 50 से ज्यादा तीर्थयात्री सवार थे। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल दो तीर्थयात्रियों को लक्सर सीएचसी से हायर सेंटर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि राजस्थान के जोधपुर से तीर्थयात्रियों को लेकर हरिद्वार आ रही थी। जिसमें सवार यात्री कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने आए थे। शुक्रवार को जैसे ही बस लक्सर-हरिद्वार मार्ग पर श्री सीमेंट फैक्ट्री के पास पहुंची, तभी बस चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ओवरटेक करने लगा। इस दौरान ड्राइवर बस से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस सीधे सड़क किनारे खड़े पेड़ों से जा टकराई। हादसा होते ही मौके पर चीख पुकार मच गई।

चूहे के पाउडर ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार, दो छोटे बच्चों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से दर्दनाक घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक यहां के कुंद्राथुर में चूहे मारने की दवा हवा में मिल गई, जिससे दो छोटे बच्चों की मौत हो गई। वहीं, इनके माता-पिता की हालत गंभीर बताई जा रही है। पता चला है कि घर में चूहे मारने की दवा को रखा गया था। उसके बाद दवा हवा के संपर्क में आई, जिससे यह घटना हुई। कुंद्राथुर के 34 साल के निवासी गिरिधरन और उनकी पत्नी पवित्रा अपने दो बच्चों वैष्णवी और साई सुदर्शन के साथ एक फ्लैट में रहते हैं। बुधवार सुबह गिरिधरन, पत्नी पवित्रा और उनके दोनों बच्चों को अचानक चक्कर के साथ उल्टियां शुरू हो गईं। पड़ोसियों को जब इसका पता चला तो उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

गर्भावस्था के दौरान तनाव से शिशुओं में मिर्गी का खतरा

टोक्यो। गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने से शिशुओं में मिर्गी का खतरा बढ़ सकता है। लंबे समय तक हल्के तनाव का होना भी इसका खतरा बढ़ाता है। प्लस वन पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। अध्ययन के मुताबिक, गर्भावस्था के दौरान दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव बच्चों की विकासशीलता को प्रभावित करते हैं। इससे कुछ महिलाओं को कम तनाव और कुछ को अधिक तनाव होता है। सही संतुलन होना आवश्यक है ताकि विकासशील भ्रूण के लिए जोखिम को कम किया जा सके। जापान के टोटोरी विश्वविद्यालय में हुए शोध के अनुसार, तीन साल से कम उम्र में मिर्गी की समस्या होने का यह बड़ा कारण है। गर्भावस्था के दौरान तनाव के अलावा संक्रमण, कम वजन और खराब खानपान के कारण भी बच्चों में यह समस्या देखी जा सकती है।

गुजरात तट पर 700 किलो ड्रग्स बरामद

NCB-ATS ने आठ ईरानी नागरिकों को दबोचा, ड्रग सिंडिकेट के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पहचान करने के लिए जांच जारी

एजेंसी । पोरबंदर

मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों की तरफ से संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को गुजरात तट से दूर भारतीय जलक्षेत्र से करीब 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया और आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल, ड्रग सिंडिकेट के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पहचान करने के लिए जांच जारी है, जिसके लिए विदेशी डीएलईए की मदद ली जा रही है।

'सागर मंथन-4' कोडनेम से चलाया गया अभियान

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर 'सागर मंथन-4' कोडनेम से अभियान चलाया गया। नौसेना ने अपनी समुद्री गश्ती संपत्तियों को सक्रिय करके एक जहाज की पहचान की और उसे रोका। यह ऑपरेशन भारत में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए असाधारण अंतर-एजेंसी समन्वय और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निरंतर खुफिया संग्रह और विश्लेषण के बाद एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ कि एक अपंजीकृत जहाज नारकोटिक ड्रग्स/साइकोट्रोपिक पदार्थों के साथ भारतीय जल में प्रवेश करेगा। इस खुफिया इनपुट पर ऑपरेशन शुरू किया गया।

एनसीबी, नौसेना गुजरात पुलिस के ATS का संयुक्त ऑपरेशन

भारतीय जलक्षेत्र में करीब 700 किलोग्राम मेथमफेटामाइन की एक बड़ी खेप पकड़ी गई। एनसीबी ने कहा कि इस अभियान के दौरान आठ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जो खुद को ईरानी बताते हैं। यह ऑपरेशन एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की तरफ से संयुक्त रूप से किया गया।

आरजी कर अस्पताल में बंद आपरेशन थियेटर की छत गिरी

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल परिसर में स्थित ऑपरेशन थियेटर की छत अचानक गिर गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को जिस समय यह हादसा हुआ, उस दौरान ऑपरेशन थियेटर बंद था और वहां कोई भी मौजूद नहीं था।

किस लापरवाही से हुआ हादसा?

आरजी कर मेडिकल कालेज में काम करने वाले डाक्टरों के एक समूह ने छत गिरने की घटना को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान हुई वित्तीय अनियमितताओं से जोड़ा है। उन्होंने दावा किया है कि अस्पताल के बुनियादी ढांचे के रखरखाव में वर्षों से बरती गई लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। संदीप घोष पर आरोप है कि उन्होंने अस्पताल में बुनियादी ढांचे से जुड़े काम राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की बजाय अपने भरोसे वाली एजेंसियों से कराए। अस्पताल से जुड़े एक जूनियर डाक्टर ने बताया कि जिस आपरेशन थियेटर की छत गिरी, उसकी हालत काफी समय से खराब थी।

हादसे पर क्या बोले चिकित्सक?

जूनियर डाक्टर ने बताया कि अस्पताल के अधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया गया है, लेकिन उनकी ओर से लगातार इसकी अनदेखी की गई। अगर छत गिरने की घटना किसी आपरेशन के दौरान हुई होती तो वहां मौजूद मरीजों, डाक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की जान को खतरा हो सकता था। एक अन्य जूनियर डाक्टर ने कहा कि इस ऑपरेशन थियेटर के अलावा अस्पताल के सर्जरी विभाग में कई अन्य चिकित्सा कक्षों की स्थिति भी काफी खराब है। भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं को तब तक खारिज नहीं किया जा सकता है, जब तक इसकी पूरी तरह से मरम्मत और रखरखाव का काम नहीं हो जाता है।

भारत होते हुए बांग्लादेश पहुंची नेपाल में बनी बिजली

एक ही प्रोजेक्ट से तीनों देशों को होगा फायदा

एजेंसी । नई दिल्ली

समूचे दक्षिण एशिया में एक ही ट्रांसमिशन लाइन की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। पहली बार नेपाल में बनी बिजली भारत की ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बांग्लादेश पहुंच गई है। वैसे इस बारे में इन तीनों देशों के बीच पहले ही समझौता हो गया था। शुक्रवार को एक वर्चुअल कार्यक्रम में बिजली, आवास व शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने बांग्लादेश सरकार में बिजली मंत्रालय के सलाहकार फौजल कबीर खान और नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खडका के साथ मिल कर इस तीन देशों के बीच हुए इस बिजली खरीद-बिक्री प्रक्रिया की शुरुआत की।

दक्षिण एशिया में बढ़ेगी बिजली कनेक्टिविटी

यह पहला मौका है, जब भारत की नेपाल में बनने वाली बिजली को भारतीय ग्रिड के जरिए किसी तीसरे देश को भेजा गया है। भारत सरकार ने कहा है कि बिजली के इस लेन-देन से दक्षिण एशिया में बिजली सेक्टर में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। नेपाल के पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड जब पिछले वर्ष नई दिल्ली आये थे, तब नेपाल में उत्पादित 40 मेगावाट बिजली को बांग्लादेश को बेचे जाने पर सहमति बनी थी। इससे नेपाल को जहां विदेशी मुद्रा की आमदनी होगी, वहीं बांग्लादेश में मौजूदा बिजली संकट को दूर करने में मदद मिलेगी।

भारत भी खरीदेगा नेपाल से बिजली

भारत को भी ढांचागत सुविधाओं के बदले एक फीस मिलेगी। भारत भी भविष्य में नेपाल से 10 हजार मेगावाट बिजली खरीदने की घोषणा कर चुका है। यह बिजली नेपाल में पनबिजली परियोजनाओं से बनेंगी। इसमें कुछ परियोजनाएं भारतीय कंपनियां ही लगाएंगी।

'यौन तस्करी के पीड़ितों के लिए मजबूत पुनर्वास ढांचे की कमी'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यौन तस्करी के पीड़ितों के लिए एक मजबूत पुनर्वास ढांचे की कमी है। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से इस मामले पर विचार करने को कहा है और एक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। जस्टिस जे.बी.पारदीवाला और जस्टिस पंकज मिथल की पीठ ने कहा, मानव और यौन तस्करी ऐसे अपराध हैं, जो लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं और उनके जीवन, स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सुरक्षा का हनन करते हैं। खासतौर पर महिलाएं और बच्चे ऐसे अपराधों के शिकार होते हैं।

क्या कहा कोर्ट ने ?

शीर्ष कोर्ट ने कहा, यौन तस्करी के पीड़ितों को शारीरिक और मानसिक रूप से कई प्रकार के नुकसान और हिंसा को सहना पड़ता है। उन्हें जानलेवा चोटें और यौन संचारित रोगों जैसी बीमारियों का शिकार होने का खतरा रहता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे पीड़ितों को चिंता, पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर), अवसाद और नशे की आदत जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इन पीड़ितं को लगातार डॉक्टरों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मदद की जरूरत हो सकती है।

नई दिल्ली से मुंबई और हावड़ा रूट पर दिसंबर 2025 तक इंस्टॉल हो जाएगा 'कवच सिस्टम'

एजेंसी । नई दिल्ली

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने शुक्रवार को सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जाने वाले 'कवच सिस्टम' और भविष्य में आने वाले रेलवे के कई मॉडल पर चर्चा की। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने कवच सिस्टम के बारे में बताया कि नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा वाले रेलवे ट्रैक पर 2025 तक 'कवच सिस्टम' इंस्टॉल कर लिया जाएगा, वहीं 2030 तक पूरे भारतीय रेलवे में इसका काम पूरा हो जाएगा।

रेलवे की सुरक्षा के मानक को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा

कवच बहुत ही महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी इंप्रूवमेंट रहेगा, जो रेलवे की सुरक्षा के मानक को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा। जो भी टेक्नोलॉजी से जुड़ी परेशानी थी, उसको कवच 4.0 में हमने दूर कर दिया है। इससे जुड़े दो महत्वपूर्ण कार्य हैं, जिसमे हर लोको में हमे लोको कवच लगाना है। इसके लिए 10,000 लोकोमोटिव में लोको कवच लगाने का टेंडर दिया हुआ है। एक से डेढ़ साल में लोको कवच लग जाएगा। इसके अलावा ट्रैक पर जो काम करना है, उसमें करीब 3000 किलोमीटर नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-हावड़ा पर पहले से काम चल रहा है। दोनों रूट के ट्रैक का काम दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। 2030 तक पूर्ण रूप से भारतीय रेलवे में कवच सिस्टम को इंस्टॉल कर लिया जाएगा।

10 हाथियों की मौत मामला: एनजीटी ने केंद्र व अन्य से मांगा जवाब

एजेंसी । नई दिल्ली

विशेष संवाददाता मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में संदिग्ध परिस्थितियों में 10 हाथियों की मौत पर कड़ा रुख अपनाते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने केंद्र सरकार एवं अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। ट्रिब्यूनल ने यह आदेश उस मीडिया रिपोर्ट पर विचार करते हुए, दिया है जिसमें आशंका जाहिर की गई है कि टाइगर रिजर्व में हाथियों की मौत दूषित कोदो बाजरा (मिलेट्स) खाने की वजह से हुई है।

23 दिसंबर से पहले जवाब दाखिल करने का निर्देश

एनजीटी प्रमुख जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने इस घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह आदेश दिया है। पीठ ने मामले में केंद्रीय कृषि मंत्रालय, मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक, मुख्य वन्यजीव वार्डन और उमरिया जिले के जिलाधिकारी के अलावा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली, और भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने सभी पक्षकारों को मामले की अगली सुनवाई 23 दिसंबर से पहले अपना-अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सरकार ने निजी विधेयक पर चर्चा को दी मंजूरी

स्वतंत्र मीडिया के लिए प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। राज्यसभा की ओर से एक निजी सदस्य विधेयक पर विचार करने के लिए मंजूरी दी है, जो देश में मीडिया सेवाओं के लिए एक स्वतंत्र प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव करता है। इस विधेयक को भारतीय मीडिया सेवा (विनियमन और लाइसेंसिंग) विधेयक 2024 कहा जा रहा है। इस विधेयक को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सांसद वी. शिवदासन ने पेश किया है। उच्च सदन के एक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई।

क्या है विधेयक में ?

यह विधेयक एक स्वतंत्र निकाय 'भारतीय मीडिया सेवा बोर्ड' बनाने की बात करता है, जिसका काम मीडिया सेवाओं का नियमन और लाइसेंस जारी करना होगा। इस बोर्ड का मकसद देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया सेवाओं को बढ़ावा देना होगा। विधेयक के मुताबिक, कानून बनने के बाद केंद्र सरकार को छह महीने के भीतर इस बोर्ड स्थापित करना होगा। इस बोर्ड को मीडिया सेवाओं की देखरेख करने के लिए धन भी मुहैया किया जाएगा।

चिंताजनक नरेंद्र मोदी ने बिहार के जमुई में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित किया

जिसे कोई नहीं पूछता, उसे मोदी पूजता है : प्रधानमंत्री

एजेंसी । जमुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार के जमुई में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किया जिसे कोई नहीं पूछता है उसे मोदी पूजता है। आजादी के बाद दशकों तक उपेक्षित रहे आदिवासियों के उत्थान के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। केंद्र की एनडीए सरकार जनजातियों की पढ़ाई, कमाई और दवाई का इंतजाम कर रही है। पिछले दस सालों में जनजाति कल्याण के बजट को पांच गुना तक बढ़ा दिया गया है। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को जमुई के बल्लोपुर में राष्ट्रीय समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 28 राज्यों के सौ जिलों से करीब एक करोड़ लोग वर्चुअल तरीके से जुड़े। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने 6600 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

आदिवासी समाज ने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज के योगदान को सम्मान देने की जरूरत है। इस समाज ने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया है। संस्कृति और आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया है। इस योगदान को मिटाने के लिए स्वार्थभरी राजनीति हुई। एक दल और एक परिवार को आजादी दिलाने का श्रेय देने के लिए यह राजनीति की गई। मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार ने आदिवासियों को सम्मान देने का काम किया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सबसे पहले जानजातीय मामलों का अलग मंत्रालय बनाया था।

आदिवासी परंपराओं से सशक्त-समृद्ध होगा देश

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए का मानक अलग है। एनडीए का सौभाग्य है कि द्रौपदी मुर्मु को राष्ट्रपति बनाने का अवसर दिया। मुर्मु जब झारखंड की राज्यपाल थीं, तभी उन्होंने आदिवासियों के कल्याण के लिए विशेष योजना की जरूरत बताई थी। उनकी सलाह पर ही 24,000 करोड़ की प्रधानमंत्री जनमन योजना एक साल पहले लाई गई। आदिवासी कल्याण एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। दशकों तक आदिवासी पिछड़े रहे। पिछली सरकारें अफसरों को सजा देने के लिए आदिवासी बहुल जिलों में भेज देती थी। एनडीए सरकार ने आदिवासी बहुल जिलों को आकांक्षी जिला बनाया और वहां ऊर्जावान अफसरों को भेजा। कई आकांक्षी जिले विकास के रास्ते पर आगे निकल गए हैं।

मिलावट रोकने के लिए खाद्य पदार्थों की लाइव निगरानी होगी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) खाद्य वस्तुओं के गुणवत्ता मानकों को और सख्त बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत अब खाद्य पदार्थों की वास्तविक समय (रियल-टाइम) में निगरानी की जाएगी। उसी समय उनके नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। यह जानकारी एफएसएसएआई के सीईओ जी. कमला वर्धना राव ने मिंट से खास बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इन खाद्य पदार्थों में मसाले, खाद्य तेल, दूध और दूध से बने उत्पाद, शहद, अनाज और दालें समेत अन्य वस्तुएं शामिल

होंगी। इस पहल के तहत, एक डैशबोर्ड तैयार किया जा रहा है, जो देशभर में नमूने एकत्र करने और विश्लेषण की लाइव ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करेगा। इसकी मदद से देशभर में एफएसएसएआई के जिला अधिकारी स्क्रीन पर ही खाद्य पदार्थों और उनके बनने की पूरी प्रक्रिया की रियल टाइम निगरानी कर पाएंगे।

मानकों की समीक्षा में आसानी होगी

एफएसएसएआई के सीईओ ने कहा कि निगरानी के दौरान प्राप्त डाटा के माध्यम से हम खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन की स्थिति, नमूने विफल होने के कारणों और उनकी जड़ों का पता लगा सकेंगे। यह प्रक्रिया हमें इन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा का आकलन करने में मदद करेगी। यदि आवश्यकता होगी तो मानकों की पुनर्समीक्षा की जाएगी।

खबर संक्षेप

योगी के मंत्री के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ की ठगी

लखनऊ। साइबर ठगों ने सूबे के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2.08 करोड़ रुपये ठग लिए। व्हाट्सएप डीपी पर नंदी के बेटे की तस्वीर लगाए ठग ने मैसेज भेजा, मैं जरूरी बिजनेस मीटिंग में हूं। यह मेरा नया नंबर है, तुरंत पैसे भेजो। अकाउंटेंट ने तुरंत बताए तीन खातों में पैसे भेज दिए। भेद खुलने पर सनसनी मची। साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। ठगी की यह वारदात बुधवार को हुई। मंत्री नंदी के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव के मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से मैसेज आया। डीपी नंदी के बेटे की लगी हुई थी।

पारिवारिक कलह से परेशान होकर बूढ़ी गंडक में कूदी महिला

समस्तीपुर। समस्तीपुर में पारिवारिक कलह से परेशान एक महिला ने शहर के मगरदही पुल से कूद कर जान दे दी। काफी लंबी खोजबीन के बाद महिला का शव बरामद हुआ। महिला की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के संग्रामपुर बिक्रमपुर बांदे गांव के स्व। मो। मुस्ताक की पत्नी के रूप में की गई है। नगर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। मृतका का बेटा मोहम्मद महताब आलम ने बताया कि गुरुवार शाम पारिवारिक कलह से परेशान होकर मां घर से गुस्से में निकली थी। पहले लगा कि जब गुस्सा शांत हो जाएगा तो कुछ देर बाद मां वापस आ जाएगी, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि मां बूढ़ी गंडक नदी में कूद गई है। मौके पर पहुंचे तो मां का कुछ भी पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ की मदद से शव की तलाशी शुरू की गई। मगरदही पुल के पास मां का शव बरामद हुआ है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सदर अस्पताल भेजा है।

बाइक सवार बदमाशों ने सिविल इंजीनियर को मारी गोली, मौत

गोपालगंज। गोपालगंज में अपराधियों ने गोली मारकर सिविल इंजीनियर की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना नगर थाना क्षेत्र के सरेया वार्ड नंबर एक स्थित ब्रह्म स्थान के पास की है। मृतक सिविल इंजीनियर की पहचान सरेया वार्ड नंबर एक के रहने वाले नित्यानंद दुबे के बेटे प्रखर दुबे के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि प्रखर अपने दोस्त के साथ स्कॉर्पियो पर सवार होकर घर पहुंचे थे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश ने उनपर फायरिंग शुरू कर दी। घटना में एक गोली उनके सिर में और दूसरी गोली उनके कमर के नीचे लगी है।

करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर रहेगा विशेष ध्यान

आग की घटनाओं पर दो मिनट में पहुंचेगी टीम

एजेंसी । प्रयागराज

यूपी के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 को लेकर सरकार की तरफ से तैयारियां जोरों पर हैं। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। इसको देखते हुए अग्निशमन विभाग को भी सतर्क किया गया है। दमकलकर्मी हर समय मेला परिसर में सक्रिय रहेंगे। मॉनिटरिंग के लिए एआई से लैस फायर डिटेक्शन कैमरों को इंस्टॉल किया गया है। यह टीम महज दो मिनट में रिस्पॉन्स करेंगी। ताकि किसी भी तरह की घटना पर मिनटों में काबू पाया जा सके। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और महाकुंभ के नोडल

अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि इस बार महाकुंभ को जीरो फायर इंसिडेंट बनाने का पूरा प्रयास होगा। इसके लिए व्यापक तैयारी की गई है। इसके लिए एडवांस रेस्क्यू टेंडर तैनात किए जा रहे हैं। 200 स्पेशल ट्रेन्ड रेस्क्यू ग्रुप को तैनात किया जा रहा है।

दो मिनट के अंदर पहुंचेंगी दमकल की गाड़ियां

वहीं, अखाड़ों में आग की घटनाओं को काबू करने के लिए पांच हजार स्पेशल फायर एक्स्टींगुशर प्रदान किए जा रहे हैं। एआई लाइसेंस वाले फायर डिटेक्शन कैमरों को भी इंस्टॉल किया जा रहा है। ये कैमरे भी पहली बार उपयोग में लाए जा रहे हैं। जो आग की घटनाओं पर नजर रखेंगे। यदि कहीं इस तरह की घटना होती है तो तत्काल कंट्रोल रूम के माध्यम से चंद सेकंड में फायर स्टेशन को सूचना मिल सकेगी। सूचना मिलते ही दो मिनट के अंदर दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचेंगी।

सात हजार से अधिक फायर हाइड्रेंट्स लगाए जा रहे

उन्होंने बताया कि 2019 कुंभ की तुलना में इस बार अधिक मैनपावर और अधिक व्हीकल्स को डेप्लॉय किया जा रहा है। 2019 में जहां 43 टेंपरेरी फायर स्टेशन बनाए गए थे, वहीं 2025 महाकुंभ में 50 टेंपरेरी फायर स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसी तरह 2019 के 15 टेंपरेरी फायर पोस्ट की जगह इस बार 20 टेंपरेरी फायर पोस्ट बनाई जा रही हैं। 43 फायर वॉच टॉवर की तुलना में इस बार 50 फायर वॉच टॉवर होंगे, जबकि 4200 की जगह 7000 से अधिक फायर हाइड्रेंट्स लगाए जा रहे हैं।

फायर रिजर्व वाटर टैंक्स का होगा उपयोग

इसके अतिरिक्त 75 की जगह इस बार 150 से ज्यादा फायर रिजर्व वाटर टैंक्स को उपयोग किया जाएगा। मैनपावर की बात करें तो 2019 में 1551 कर्मियों को यहां डेप्लॉय किया गया था। जबकि, इस बार यह संख्या बढ़कर 2071 कर दी गई है। इसी तरह 2019 में कुल 166 व्हीकल्स का डेप्लॉयमेंट था तो इस बार यह संख्या लगभग दोगुनी बढ़कर 351 हो गई है।

पीसीएस परीक्षा की नई तारीख का एलान

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा की नई तारीख का एलान कर दिया है। यह परीक्षा 22 दिसंबर को एक ही दिन में आयोजित होगी। जानकारी के अनुसार, यह परीक्षा 22 दिसंबर को दो शिफ्ट में होगी। पहली शिफ्ट में सामान्य अध्ययन, दूसरी में सी सैट का पेपर होगा।

22 दिसंबर को दो सत्रों में आयोजित होगी परीक्षा

इस परीक्षा का आयोजन सात और आठ दिसंबर को होना था, लेकिन छात्रों के आंदोलन के बाद आयोग ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया था। इसके बाद एक दिन में ही परीक्षा कराने पर सहमति बनी थी। अब नई तारीख की घोषणा की गई है। दो पालियों में होने वाली परीक्षा पहली पाली में सुबह 9:30 बजे से 11:30 तक होगी, जबकि दोपहर 2:30 बजे से 4:30 तक दूसरी पाली में होगी। यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in. पर जारी नोटिस के अनुसार, 'सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 अब एक दिन में 22 दिसंबर 2024 को दो सत्रों में आयोजित होगी। पहले यह परीक्षा दो दिन में सात और आठ दिसंबर 2024 को होनी थी। परीक्षा में 10 लाख से अधिक (10,76,004) अभ्यर्थियों ने परीक्षा देंगे।

दरभंगा के युवक की मुंबई में हत्या

प्रेमिका के परिजनों ने टुकड़ों में काटा

एजेंसी । दरभंगा

दरभंगा के रहने वाले एक युवक को दूसरे समुदाय की लड़के से प्यार करने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। लड़की के परिवारवालों ने युवक की बेरहमी से हत्या करने के बाद उसके शव को सात टुकड़ों में काटकर बोरे में भरकर फेंक दिया। शव बरामद होने के बाद जब पुलिस ने मामले की जांच की तो सच सामना आया है। जानाकारी के मुताबिक जिले के बहेड़ा थानाक्षेत्र के कन्हौली गांव का रहने वाला युवक इब्राहिमपुर गांव की दूसरे समुदाय की नाबालिग लड़की से प्रेम करता था। लड़की के परिजनों द्वारा इस रिश्ते का लगातार विरोध किया जा रहा था। मृतक की पहचान उसके शरीर पर बने टैटू से की गई है। मृतक के परिजनों ने बताया कि रघुनंदन पांच बच्चों में सबसे बड़ा था। वह बेनीपुर की एक दवा की दुकान पर काम करता था। इसी दौरान उसे इब्राहिमपुर गांव की एक लड़की से प्यार हो गया। इस बात की जानकारी होने पर लड़की के पिता ने उसे मुंबई में अपने भाई के पास भेज दिया। जिसके बाद रघुनंदन ने अपने दोस्तों के साथ मुंबई जाकर लड़की से मिलने का फैसला किया। 31 अक्तूबर को रघुनंदन अपने दोस्तों, समस्तीपुर के आशीष पासवान, सुमित पासवान और गोलू पासवान के साथ मुंबई पहुंचा। यहां किसी बात पर उसके दोस्तों और लड़की के परिजनों के बीच विवाद हुआ। उसके बाद रघुनंदन को उसके दोस्तों ने लड़की के परिजनों के हवाले कर दिया और लड़की के परिजनों ने युवक को मौत के घाट उतार दिया। मृतक रघुनंदन की मां ने बताया कि प्रेम प्रसंग को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा था। 1 नवंबर के बाद जब रघुनंदन के लापता होने के बाद, परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई थी। लेकिन समय रहते पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मृतक की मां ने लड़की के परिवार के चार पुरुष और दो महिलाओं पर इस हत्या में शामिल होने का आरोप लगाने के साथ केस दर्ज करवाया है।

बिना हेलमेट पहने क्रॉस किया चौराहा तो कटेगा 5000 का चालान

एजेंसी । पटना

अब अगर बगैर हेलमेट पहने किसी सामान की खरीदारी करने भी बाजार जा रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। क्योंकि, बगैर हेलमेट पहने चौराहा क्रॉस किया, तो 1000 से लेकर 5000 तक ऑनलाइन जुर्माना का चालान कट जायेगा। इसके साथ ही सुबह 9 से शाम पांच बजे तक ट्रैफिक पुलिस द्वारा निगरानी रखी जाएगी। बगैर हेलमेट पहने बाइक चालकों को ऑनलाइन जुर्माना के साथ मैनुअल रूप से भी जुर्माना लगाया जाएगा। खास बात यह है कि यह अभियान लगातार चलता रहेगा। दरअसल, मोटर वाहन अधिनियम 1988 में बहुत सारे नियम बनाये गये हैं, जिसे पालन करना हर वाहन मालिक और चालक के लिए अनिवार्य है। हालांकि, काफी सारे लोग इन नियमों को नहीं मानते हैं और मनमाने ढंग से वाहन चलाते हैं।

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना दंडनीय अपराध

मोटर वाहन अधिनियम की धारा 129 के अनुसार बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाना दंडनीय अपराध है। बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर 500 से 1000 रुपये तक का चालान, वाहन को जब्त करने व ड्राइविंग लाइसेंस के सस्पेंशन के साथ तीन महीने तक की सजा का भी प्रावधान है। इसके बावजूद लोग बगैर हेलमेट के अपनी बाइकें दौड़ाते रहते हैं। हालांकि, लगातार बगैर हेलमेट पहने पकड़े जाने पर जुर्माना भी दे रहे हैं। जब पहली बार मोटर वाहन अधिनियम तैयार किया गया था, तब बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाने पर 100 रुपये का जुर्माना लिये जाने का प्रावधान था। लेकिन समय के साथ जब यह राशि लोगों के लिए भरना आसान हो गया, तो सितंबर 2019 में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन किया गया, जिसमें जुर्माने की राशि बढ़ाकर 1000 कर दी गयी है। हालांकि, बिहार को छोड़ कर अन्य राज्यों में बगैर हेलमेट व लाइसेंस के बाइक लेकर सड़क पर उतरे, तो वाहन को भी जब्त कर लिया जाता है, साथ ही तीन महीने के सजा का भी प्रावधान है।

जमीन विवाद में जमकर चले लाठी-डंडे और रॉड, दो लोगों की मौत

एजेंसी । औरंगाबाद

औरंगाबाद के ओबरा थाना क्षेत्र के घोड़दौड गांव में जमीन के विवाद में लाठी डंडे और लोहे की रॉड से हुई मारपीट की घटना में दो लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं।मृतकों में बिंदेश्वरी सिंह के 28 वर्षीय पुत्र राजू सिंह एवं रमता सिंह के 45 वर्षीय पुत्र पप्पू सिंह शामिल हैं। वहीं बिंदेश्वरी सिंह घायल हैं,

जिन्हें बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल गया रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दलबल के साथ प्रभारी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल राजू सिंह को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां पर राजू सिंह की गंभीर स्थिति देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने औरंगाबाद रेफर कर दिया, लेकिन सदर अस्पताल जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी। वहीं, पप्पू सिंह को घायल अवस्था में जमुहार ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति में बनारस के ट्रामा सेंटर उन्हें रेफर कर दिया गया। इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई।

व्यापार जगत

एनपीएस खाते में भीम ऐप के जरिए भुगतान कर सकेंगे

एक कार्य दिवस में ही जमा हो जाएगी रकम

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से जुड़े सदस्य अब भीम ऐप के जरिए भी अपने खाते में भुगतान कर सकेंगे। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की सहायक कंपनी, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने यह सुविधा शुरू कर दी है। इसके बाद सदस्यों के पास अपने खाते में भुगतान के कई विकल्प मौजूद होंगे। इससे पहले क्यूआर कोड के जरिए भुगतान की सुविधा सदस्यों को दी गई थी। एनबीएसएल के मुताबिक, भीम ऐप की यह सुविधा भारत कनेक्ट के माध्यम से संचालित होती है, जो ग्राहकों के लिए बेहद आसान और पूरी तरह सुरक्षित है। इस ऐप से भुगतान करने के लिए एनपीएस सदस्यों को सिर्फ मोबाइल नंबर और कुछ मूलभूत जानकारियां उपलब्ध करानी होगी, जिसके बाद यह सुविधा सक्रिय हो जाएगी।

खाते में तुरंत दर्ज होगी राशि

भीम ऐप के जरिए एनपीएस से जुड़े सदस्य अपने टियर-1 या टियर-2 खाते में सीधे भुगतान कर सकते हैं। भुगतान के बाद एक ही कार्य दिवस में रकम सदस्य के खाते में दर्ज हो जाएगी। एनबीएसएल के अनुसार, इसकी मदद से सदस्य के योगदान को बिना समय गंवाए सही ढंग से निवेश किया जा सकेगा। इसका सीधा फायदा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को मिलेगा और उन्हें सही वित्तीय और पेंशन योजना बनाने में सुविधा मिलेगी।

क्या है एनपीएस ?

राष्ट्रीय पेंशन योजना केंद्र सरकार द्वारा एक सामाजिक सुरक्षा पहल है। इसे 2004 में सरकारी कर्मचारियों के लिए शुरू किया गया था लेकिन 2009 में इसे सभी वर्गों के लिए खोल दिया गया। राष्ट्रीय पेंशन योजना सेवानिवृत्ति के लिए एक स्वैच्छिक और लंबी अवधि की निवेश योजना है। 60 साल की उम्र पूरी होने के बाद सदस्य को रकम का एक हिस्सा मिल जाता है और दूसरे हिस्से से पेंशन मिलनी शुरू हो जाती है। लगभग सभी बैंक एनपीएस की सुविधा देते हैं।

एनपीएस से लगातार जुड़े रहे सदस्य

देश में एनपीएस की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। सितंबर 2024 तक इस सुविधा से 38.25 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। इस नई सुविधा के शुरू होने पर अब और भी ज्यादा लोग एनपीएस की ओर आकर्षित होंगे और अपने सेवानिवृत्ति के लिए आमदनी का एक भरोसेमंद जरिया तैयार कर पाएंगे।

भुगतान के यह भी विकल्प

एनपीएस में योगदान इंटरनेट बैंकिंग, एनईएफटी, आरटीजीएस और यूपीआई के जरिए होता है। पिछले साल दिसंबर में क्यूकोड की सुविधा शुरू हुई थी। उससे पहले इसे यूपीआई से जोड़ा गया था।

यह है भुगतान की प्रक्रिया

- सबसे पहले भीम ऐप खोलकर होम स्क्रीन पर 'रिचार्ज और बिल पे' सेक्शन में जाएं और 'व्यू ऑल' पर क्लिक करें।
- इसके बाद 'अदर कैटेगरी' में जाएं और 'एनपीएस' का विकल्प चुनें।
- वहां पर दिख रहे आवश्यक विवरण जैसे – परमानेंट रिटायरमेंट खाता संख्या (पीआरएएन) या 10 अंकों का मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, टियर-1 या टियर-2 खाते का विवरण और योगदान राशि दर्ज करें।
- नियम और शर्तों के चेक बॉक्स पर टिक करने के बाद 'गेट बिल डिटेल्स' पर क्लिक करें।
- 'बिल इंफो' पर जाएं एनपीएस इनवेस्टमेंट और खाते का ब्योरा जांचें।
- भुगतान का तरीका चुनें और 'पे' पर क्लिक करके भुगतान को पूरा करें।

SBI का 1.25 बिलियन डॉलर का लोन लेने का प्लान

एजेंसी । मुंबई

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने 1.25 बिलियन डॉलर यानी 10,553 करोड़ रुपए का लोन लेने का प्लान बनाया है। यह इस साल किसी बैंक की तरफ से डॉलर में लिया जाने वाला सबसे बड़ा लोन होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी। पांच साल के इस लोन को हासिल करने में सीटीबीसी बैंक, HSBC होल्डिंग्स और ताइपेई फुबोन बैंक SBI की मदद कर रहे हैं। इस लोन पर SBI को सिक्योर्ड ओवरनाइट फाइनेंसिंग रेट से 92.5 बेसिस पॉइंट्स ज्यादा इंटरेस्ट चुकाना होगा। SBI देश का सबसे बड़ा बैंक है।

इस खबर को लेकर SBI की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया

SBI गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी स्थित अपनी ब्रांच के जरिए यह लोन ले रहा है। लोन के पैसे का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए होगा। हालांकि इस बारे में SBI की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया है। SBI कुछ लोकल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस के साथ मिलकर यह फॉरेन करेंसी लोन जुटा रहा है। इंडिया में सख्त नियमों की वजह से NBFC डॉलर में लोन जुटा रही है। NBFC को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पैसे की जरूरत है।

नारायण मूर्ति की फिर 70 घंटे काम करने की सलाह

एजेंसी । मुंबई

इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे काम करने वाले अपने विवादास्पद बयान का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति के लिए कड़ी मेहनत बहुत जरूरी है। CNBC ग्लोबल लीडरशिप समिट में मूर्ति ने कहा - मुझे खेद है, मैंने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला है। मैं इसे अपने साथ कब्र तक ले जाऊंगा।

उन्होंने कहा कि वह 1986 में भारत के 6 दिन वर्किंग वीक से 5 दिन वीक के बदलाव से निराश थे। भारत के विकास के लिए त्याग की आवश्यकता है, न कि आराम की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हफ्ते में 100 घंटे काम करने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा,'जब प्रधानमंत्री मोदी इतनी मेहनत कर रहे हैं, तो हमारे आसपास जो भी हो रहा है, उसे हम अपने काम के जरिए ही एप्रीशिएट कर सकते हैं। पिछले साल 2023 में नारायण मूर्ति ने देश के युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी। इसके बाद सोशल मीडिया कई अलग-अलग धड़ों में बंट गया था। मूर्ति के इस बयान के बाद उनकी जितनी आलोचना हुई उतना ही साथ भी मिला था। हालांकि एक्सपर्ट्स का मानना है, कि लोगों के हेल्थ पर इसका बुरा असर पड़ेगा।

हुंडई मोटर ने जोस मुनोज को नया CEO नियुक्त किया

जेहून चांग की जगह लेंगे, कंपनी के पहले विदेशी लीडर

एजेंसी । मुंबई

हुंडई मोटर ने शुक्रवा.र को अमेरिका के मौजूदा चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और ग्लोबल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जोस मुनोज को अपना CEO नियुक्त किया। इसके साथ ही मुनोज साउथ कोरियाई ऑटोमेकर कंपनी को लीड करने वाले पहले विदेशी बन गए हैं। 59 साल के मुनोज 2019 में नार्थ

और साउथ अमेरिकी ऑपरेशनल रिस्पांसिबिलिटी के साथ ग्लोबल चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के रूप में हुंडई में शामिल हुए थे। इससे पहले उन्होंने निसान मोटर कंपनी में 15 साल काम किया, जिसमें उनका चीन यूनिट के चेयरमैन का भी कार्यकाल शामिल है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा- स्पेन में जन्मे मुनोज जेहून चांग की जगह लेंगे। जेहून चांग को कंपनी ने ऑटोमोटिव डिवीजन के वाइस चेयरमैन प्रामोट किया गया है। ये बदलाव 1 जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। मुनोज को ग्लोबल ऑटो इंडस्ट्री में एक बड़े बदलाव के माध्यम से हुंडई का नेतृत्व करने का काम सौंपा जाएगा, जो इलेक्ट्रिक कारों पर स्विच करने में मंदी से जूझ रहा है। इसके साथ ही सुंग किम को हुंडई मोटर का चेयरमैन नामित किया गया है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 1,375 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है।

चैंपियंस ट्रॉफी

जीत की हैट्रिक से सेमीफाइनल में बना चुकी हैं जगह

टूर्नामेंट की दो शीर्ष टीमों भारत और चीन के बीच आज होगा रोमांचक मुकाबला

बेटियों के सामने चीनी दीवार लांघने की चुनौती

नंबर गेम

- 20 गोल भारत ने अब तक तीन मैच में किए हैं और दो उसके खिलाफ हुए हैं
- 22 गोल चीन ने इतने ही मैचों में दागे और सिर्फ एक उसके विरुद्ध हुआ है

एजेंसी । बिहार शरीफ

भारतीय महिला हॉकी टीम के सामने शनिवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में चीनी दीवार तोड़ने की कठिन चुनौती होगी। दोनों ही टीमें टूर्नामेंट में अब तक अजेय हैं। गत चैंपियन भारत और ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन तीन-तीन मैच जीत चुके हैं। दोनों के एक समान नौ-नौ अंक हैं पर गोल औसत के आधार पर चीन शीर्ष पर है। चीन का गोल औसत 21 है जबकि भारत का 18 है। भारत दूसरे नंबर पर है। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है।

हिसाब बराबर करने का मौका

दोनों टीमों के बीच आखिरी मुकाबला इस साल फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में हुआ था और दोनों बार चीन जीता था। भारत के पास अब बदला चुकता करने का सुनहरा मौका है। इसके लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा।

आमने-सामने

कुल मैच :	45
भारत जीता :	11
चीन जीता :	28
ड्रॉ :	6

दीपिका पर दारोमदार

भारत को जीत दिलाने का जिम्मा एक बार फिर फॉरवर्ड दीपिका पर होगा। उन्होंने अब तक तीनों मैचों में गोल दागे हैं। थाईलैंड के खिलाफ तो दे दनादन पांच गोल उनकी स्टिक से निकले थे। उन्हें प्रीति दुबे, नवनीत कौर, लालरेम्सियामी, ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी का भी साथ मिला था। चीन के खिलाफ भी इन सभी को एकजुट होकर प्रदर्शन करना होगा। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे, नेहा गोयल, सुशीला चानू और उदिता प्रभावी रही हैं।

जवाबी हमलों में माहिर है चीन

भारत के लिए चिंता का एकमात्र सबब यही है कि उसके डिफेंडरों और गोलकीपर सविता पूनिया और बिछू देवी को अभी तक चुनौती नहीं मिली है। वहीं चीन की टीम जवाबी हमलों में माहिर है। ऐसे में गोलकीपरों को अपने किले की भेदने से बचाने के लिए पूरी तरह से मुस्तैद रहना होगा।

पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलना होगा

भारतीय टीम की सबसे बड़ी समस्या पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील नहीं कर पाने की है। हालांकि कमजोर थाईलैंड के खिलाफ टीम ने कुछ हद तक इससे पार पाने की कोशिश की है। टीम को अब तक कुल 31 पेनाल्टी कॉर्नर मिले हैं जिसमें से आठ को ही गोल में तब्दील कर पाई है।

दीपिका दाग चुकी हैं सात गोल

दीपिका अब तक टूर्नामेंट में सात गोल दागकर शीर्ष स्करोर बनी हुई हैं। उन्होंने चार मैदानी, दो पेनाल्टी और एक पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किए हैं। उनके अलावा कोई भी खिलाड़ी अब तक पांच गोल नहीं कर पाई है जो उन्होंने एक ही मैच में कर दिए।

> "मैं टीम के प्रदर्शन से खुश हूं जिस तरह से टीम ने विरोधी सर्कल में जाकर गोल किए। डिफेंडरों और मिडफील्डरों के बीच अच्छा तालमेल था और हमें इस लय को बनाए रखना है। –हरेंद्र सिंह, कोच भारत"

भारतीय टीम के आपसी अभ्यास मैच के दौरान दाईं कोहनी में चोट के बाद छोड़ा मैदान | रोहित की गैरमौजूदगी में पहले टेस्ट में ओपनिंग करने के हैं दावेदार

राहुल की चोट से लगा झटका

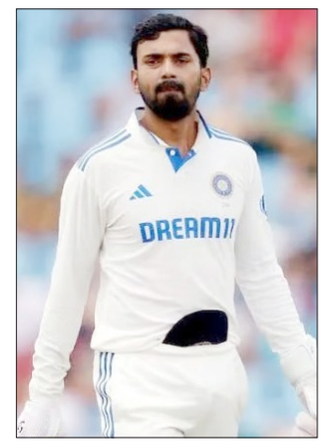

एजेंसी । पर्थ

खराब फॉर्म से जूझ रहे केएल राहुल की चोट ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में 22 नवंबर से शुरू होने वाले टेस्ट से पहले टीम इंडिया को करारा झटका दिया है। उनका पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को शुक्रवार को भारतीय टीम के आपस में खेले गए मैच के दौरान दाईं कोहनी में चोट लग गई। उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। इस बीच विराट कोहली ने अपनी फिटनेस को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगा दिया। मैच के दौरान कोहली सहित ज्यादातर बल्लेबाज विकेट के बीच लपके गए।

प्रसिद्ध की गेंद लगी

राहुल 29 रन बनाकर खेल रहे थे जब तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की उठती गेंद उनकी कोहनी पर लगी। फिजियो से सलाह मशविरा के बाद वह मैदान से बाहर चले गए और फिर वापसी नहीं आए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने कहा, उनकी कोहनी पर अभी चोट लगी है और उसका आकलन करने में समय लगेगा। राहुल की नजर टेस्ट टीम में वापसी पर लगी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले महीने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच के बाद उन्हें अंतिम एकादश में नहीं चुना गया था। कप्तान रोहित अगर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में नहीं खेल पाते हैं तो राहुल युवा यशस्वी के साथ ओपनिंग करने की दौड़ में शामिल हैं।

साउदी इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद लेंगे संन्यास

एजेंसी । वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी इंग्लैंड के खिलाफ दिसंबर में घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। पहला टेस्ट 28 नवंबर से क्राइस्टचर्च में और दूसरा छह दिसंबर से वेलिंगटन में खेला जाएगा। घरेलू मैदान हैमिल्टन में 14 दिसंबर से खेला जाने वाला तीसरा टेस्ट उनका आखिरी होगा। वह न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रिचर्ड हैडली (385) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कहा, मैंने बचपन से हमेशा न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना देखा था। 18 साल तक न्यूजीलैंड के लिए खेलना फख्र की बात रही लेकिन अब आगे बढ़ने का समय है।

मुंबई के मैदानों से

अर्जुन तेवातिया का शतक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सलामी बल्लेबाज अर्जुन तेवातिया द्वारा लगाए गए शानदार शतक की बदौलत ज्वाला स्पोर्ट्स फाउंडेशन की टीम ने एमसीसी प्रो-40 लीग के मुकाबले में एमसीसी (ब्लैक) टीम को पांच विकेट से हरा दिया। चर्चगेट स्थित ओवल मैदान पर खेले गए मैच में एमसीसी (ब्लैक) टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.3 ओवरों में 190 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में अर्जुन तेवातिया ने 80 गेंदों में 20 चौका और एक छक्का लगाते हुए 122 रन बना डाले, इस प्रकार मात्र पांच विकेट गवांकर जीत के लिए आवश्यक रन जुटा लिए। अन्य मैचों में एमसीसी (रेड) ने एमसीसी (ब्ल्यु) को और एमसीसी (येलो) ने एमसीसी (ग्रीन) को पराजित किया और अंक बटोरे।

चेतन राजरवाल विजयी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मराठवाड़ा के चेतन राजरवाल ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए मलबार हिल क्लब राज्य रैंकिंग स्नूकर प्रतियोगिता के राउंड रॉबिन लीग के मुकाबले में नागपुर के जुबैर शेख को 46-47, 64(33)-11, 66(34)-07, 25-54, 88(76)-1 से पराजित किया। अन्य मैचों में निखिल आहुजा ने समय वाधवन को (5-80(48), 58-65, 64-21, 67-61, 63-26 से, अमरदीप घोडके (पुणे) ने कैझाद फिटर को 29-64, 60-34, 55-33, 57-33 से, अनुराग शर्मा (मराठवाडा) ने विशाल बैस को 59-21, 12-48, 37-65, 66-18, 64-30 से, सिद्धार्थ तांबे (पुणे) ने निखिल सैगलचा को 70-31, 79-35, 26-75, 11-66(30), 65-38 से और चिराग रामकृष्णन ने सुनील जैन को 33-50, 68-24, 69-20, 52-12 से हराया ।

एजाज न्यूजीलैंड टेस्ट टीम से बाहर, केन की वापसी

एजेंसी । वेलिंगटन

भारत के खिलाफ इस महीने के शुरू में तीसरे टेस्ट में 11 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के ऐतिहासिक क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर एजाज पटेल को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए शुक्रवार को 14 सदस्यीय टीम घोषित की। केन विलियम्सन की टीम में वापसी हुई है। टॉम लैथम की कप्तानी बरकरार रखी गई है। टीम में नाथन हैरिस के रूप में नया चेहरा भी शामिल है। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 157 रन देकर 13 विकेट लेने वाले मिचेल सेंटनर टीम में शामिल एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। हालांकि वह सिर्फ दूसरे और तीसरे टेस्ट में ही खेलेंगे।

टीम: टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, टिम साउदी, केन विलियम्सन और विल यंग।

'बंदिश बैंडिट्स 2' का पहला गाना 'घर आ माही' जारी

साल 2020 में रिलीज हुई अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। इसमें ऋत्विक भौमिक और श्रेया चौधरी की जोड़ी नजर आई थी। 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है और अब निर्माताओं ने 'बंदिश बैंडिट्स 2' का पहला गाना 'घर आ माही' जारी कर दिया है। इस गाने को निखिता गांधी ने अपनी आवाज दी है, वहीं इसके बोल शुभम शिरुले ने लिखे हैं।

कब और कहां रिलीज होगी वेब सीरीज

'बंदिश बैंडिट्स 2' का प्रीमियर 13 दिसंबर, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। इस सीरीज में एक बार फिर शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर जैसे कलाकारों की वापसी भी होगी। इस सीरीज में कुछ नए कलाकार भी शामिल होंगे, जिनमें दिव्या दत्ता, रोहन गुरबक्सानी, यशस्विनी दयामा, आलिया कुरैशी और सौरभ नैय्यर का नाम शामिल हैं। यह सीरीज अमृतपाल सिंह बिंद्रा द्वारा निर्मित और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित है।

कार्तिक आर्यन बन सकते हैं 'शक्तिमान'

अभिनेता कार्तिक आर्यन आजकल फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म की कमाई ने अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' को भी टिकट खिड़की पर धूल चटा दी है। एक बार फिर कार्तिक को 'भूल भुलैया 2' वाली सफलता का स्वाद चखने को मिल रहा है . बहरहाल, अब उन्हें 'शक्तिमान' पर बन रही फिल्म का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे उनके प्रशंसक खुश होने के बजाय निराश हो गए हैं।

प्रस्ताव पर विचार कर रहे कार्तिक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकेश खन्ना यानी फिल्म के निर्माता ने इसके लिए कार्तिक से संपर्क किया है, लेकिन अभी अभिनेता इस पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने हां या ना कुछ नहीं कहा है। उधर कार्तिक के ज्यादातर प्रशंसक नहीं चाहते कि वह शक्तिमान बनें। वैसे अगर कार्तिक फिल्म के लिए हां कर देते हैं तो यह पहली दफा होगा, जब वह अपने एक्टिंग करियर में एक सुपरहीरो की भूमिका में नजर आएंगे। एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'भाई इसे करने का फायदा तभी है, जब इस चरित्र का पुनर्निमाण हो। पुराने ढर्रे पर चलने की योजना बना रहें है, तब बेड़ा गर्क होना तय है।' एक ने लिखा, 'काश कार्तिक मना कर दें।' एक ने लिखा, 'अगर इसके लिए कार्तिक ने हां कर दी तो वह अपना करियर खुद दांव पर लगा लेंगे। यह फिल्म सचमुच उनके करियर की लुटिया डुबा देगी।'

सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'युद्धरा' ने OTT प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'युद्धरा' को 20 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'युद्धरा' ने दुनियाभर में 11.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये था। सिनेमाघरों में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद अब 'युद्धरा' OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है।

राघव जुयाल भी हैं इस फिल्म का हिस्सा

'युद्धरा' को आप घर बैठे अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे OTT पर देख सकते हैं। इस फिल्म में सिद्धांत की जोड़ी मालविका मोहनन के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। राघव जुयाल ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है। रवि उदयवार ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, वहीं फरहान अख्तर इस फिल्म के निर्माता हैं।

विजय देवरकोंडा और राधिका मदान का गाना 'साहिबा' जारी

अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री राधिका मदान के गाने 'साहिबा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो अब खत्म हो चुका है। दरअसल 15 नवंबर को 'साहिबा' गाना रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इस गाने को जसलीन रॉयल ने अपनी आवाज दी है, जिन्हें 'दिन शगना दा', 'हीरिये' और 'माये नी' जैसे गानों के लिए जाना जाता है। इस दौरान स्टेबिन बेन ने भी उनका साथ दिया है।

गाने को जसलीन ने किया है कंपोज

विजय और राधिका की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। प्रिया सरैया और आदित्य शर्मा ने इस गाने के बोल लिखे हैं। जसलीन ने ही इस गाने को कंपोज किया है। विजय ने गाना साझा करते हुए लिखा, 'बिना शर्त प्यार के लिए एक प्रेम पत्र, 'साहिबा' अब आ गया है। उम्मीद है कि आप सभी को यह उतना ही पसंद आएगा जितना हमें इसे बनाते समय आया।'

वरुण धवन ने जारी किया 'बेबी जॉन' का नया वीडियो

पिछले लंबे वक्त से अभिनेता वरुण धवन फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' जैसी सुपरहिट फिल्म दी थी। अब वरुण ने 'बेबी जॉन' का नया वीडियो साझा किया है, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं।

मैं पहली बार आया हूं- वरुण

वरुण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें हम उन्हें अपने किरदार का खुलासा करते हुए देख सकते हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मेरा जैसे बहुत आए होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। 'बेबी जॉन' का दौर शुरू।' 'बेबी जॉन' में वरुण की जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। कीर्ति सुरेश और जैकी श्रॉफ भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म को 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्राउंड रिपोर्ट
धीरज सिंह

चुनावी 'रेवड़ियों' के बारे में महिला वोटरों की क्या है सोच?

यह वाक्य महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महिला वोटरों के महत्व को रेखांकित करता है, जिनके लिए विभिन्न दलों ने विशेष योजनाओं और वादों की घोषणा की है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए चुनावी वादों का पिटारा खोला है, ताकि महिला मतदाताओं को आकर्षित किया जा सके। सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन' योजना जैसे वादे किए, जो महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी हो सकती है। वहीं, विपक्षी महा विकास अघाड़ी गठबंधन ने भी महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए अपने वादों में कोई कसर नहीं छोड़ी, जैसे महिलाएं स्वावलंबन के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें या उन्हें स्वास्थ्य और सुरक्षा के मामलों में और ज्यादा सहारा मिल सके। हालांकि, सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि महिलाएं इन वादों और योजनाओं के प्रति क्या सोच रखती हैं। क्या वे इन योजनाओं को सचमुच अपने जीवन में बदलाव लाने वाले कदम मानती हैं, या फिर यह केवल चुनावी प्रचार के टूल्स हैं जिन्हें वे संकोच और संशय के साथ देख रही हैं। कई महिला वोटरों में हिचकिचाहट भी हो सकती है, क्योंकि उन्होंने पहले भी चुनावी वादों को पूरा होते हुए नहीं देखा होगा। महिला वोटरों की सोच, उनकी सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति और स्थानीय मुद्दों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। कहीं पर महिला वोटर इन वादों को बेहतर जीवन की ओर एक कदम मान रही हैं, तो कहीं पर उन्हें इन वादों को केवल चुनावी रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। इस तरह की हिचकिचाहट और असमंजस को समझना, चुनावी दलों के लिए अहम होगा, ताकि वे अपने वादों को ठोस और साक्ष्य आधारित बना सकें।

महिलाओं में उत्साह भी, आशंका भी

यह वाक्य दिखाता है कि महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में महिला वोटरों की प्रतिक्रियाएं चुनावी वादों के प्रति काफी भिन्न हैं। कुछ महिलाएं इन वादों को लेकर बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इनसे उनके जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आएगा। हो सकता है कि ये महिलाएं इन वादों को सशक्तिकरण या बेहतर अवसरों के रूप में देख रही हों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, और वित्तीय सहायता के वादे। वहीं, दूसरी तरफ कुछ महिलाएं इन चुनावी वादों को लेकर संकोच और शंका की स्थिति में हैं। उनका मानना हो सकता है कि चुनावी समय में दिए गए वादे अक्सर वास्तविकता में बदलने से रह जाते हैं, या फिर वे पहले से अनुभव कर चुकी हैं कि ऐसे वादे कभी सही ढंग से लागू नहीं होते। इन महिलाओं के लिए यह सवाल हो सकता है कि क्या इन वादों को वास्तविक रूप में लागू किया जाएगा या फिर यह सिर्फ वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा हैं। यह मिश्रित प्रतिक्रिया इस बात को दर्शाती है कि महिला मतदाता केवल चुनावी वादों को नहीं, बल्कि उनके परिणामों और पूर्व अनुभवों को भी ध्यान में रखकर मतदान करने का फैसला करती हैं। चुनावी वादों को लेकर उनकी सोच, एक तरह से उनके विश्वास और अविश्वास का प्रतीक है।

3,000 रुपए महीने के वादे पर क्या है सोच?

महिला वोटर के लिए, 3,000 प्रति माह का वादा निश्चित रूप से एक आकर्षक वित्तीय सहायता हो सकता है, जो उनके घर के खर्चों को थोड़ी राहत दे सकता है। लेकिन, उनका यह कहना कि ₹यह मददगार साबित होगा₹ और साथ ही ₹पार्टियों को किराना और यातायात की कीमतें नियंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए₹ यह बताता है कि उनका असली ध्यान केवल वोटों के लिए दिए गए वादों पर नहीं, बल्कि उन वादों के वास्तविक और व्यावहारिक पहलुओं पर भी है। उनका यह विचार कि वादे हकीकत में बदलेंगे या नहीं, यह दर्शाता है कि उन्होंने पहले ऐसे चुनावी वादों को देखा और अनुभव किया है, जो लागू नहीं हुए या जिन्हें सही तरीके से लागू नहीं किया गया। यह भावना विशेषकर उन महिला वोटरों में ज्यादा पाई जा रही है, जो जागरूक और व्यावहारिक सोच रखती हैं और चुनावी वादों को केवल घोषणाओं के रूप में नहीं, बल्कि उनके ट्रैक रिकॉर्ड और ठोस परिणामों के आधार पर परखना चाहती हैं। इससे यह भी साफ होता है कि युवा महिला वोटर, जिनका अनुभव चुनावी प्रक्रिया और वादों से अधिक गहरा नहीं होता, वे भी ऐसे वादों के प्रति गंभीर और संजीदा प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें वास्तविकता के नजरिए से देख रही हैं। वे समझती हैं कि सिर्फ पैसा या वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि जीवन के रोज़मर्रा के जरूरी मुद्दों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए जैसे कि महंगाई, महंगे किराने के सामान और यातायात की लागत।

'जो मिल रहा है, उसी पर ज्यादा भरोसा'

नागपुर में घरों में सहायिका के तौर पर काम करने वाली 34 साल की पुष्पा नेवारे कहती हैं कि जो मिल रहा है, उसमें अधिक भरोसा है। वो कहती हैं, 'अपनी जरूरतें पूरा करने के लिए 4 घरों में बर्तन मांजती हूं। मेरे पति आटे की मिल में काम करते हैं, लेकिन ज्यादा नहीं कमाते।' उन्हें जो सरकार से पैसे मिले हैं, उसकी वजह से दिवाली में पहली बार बच्चों को नए कपड़े खरीद पाई हैं। नागपुर की 30 वर्षीय गृहिणी दीक्षा धोमने का कहना है कि उनके पति दिहाड़ी मजदूर हैं। उन्हें जो पैसे (लाडकी बहिन) मिले हैं, उससे उनकी बेटी प्राइवेट स्कूल जाने लगी है और अन्य गतिविधियों में भी शामिल हो पा रही है। उनके मुताबिक, 'लागत की वजह से इन सब चीजों को हमें पहले टालना पड़ जाता था।'

कुछ महिलाओं को है ज्यादा के वादे पर भरोसा

लेकिन, सभी महिलाओं की सोच एक तरह की नहीं हो सकती। मसलन, उल्हासनगर की रहने वाली तीन बच्चों की मां 28 वर्षीय श्यामा बानो, महायुति सरकार से लाडकी बहिन योजना के तहत 7,500 रुपए का लाभ उठा चुकी हैं। उन्हें यह भी मालूम है कि सत्ताधारी गठबंधन ने चुनाव जीतने के बाद 1,500 रुपए की रकम को 2,100 रुपए करने का भरोसा दिलाया है। लेकिन, उनका ध्यान विपक्षी एमवीए के ऑफर की ओर खिंच चुका है। ज्यादा पैसे के ऑफर को देखते हुए उनका कहना है 'मैं इस बार कांग्रेस को वोट देने की सोच रही हूं।' उनकी 32 वर्षीय दोस्त अमरिन शेख के कागज नहीं मिले थे तो उन्हें लाडकी बहिन का फायदा अभी तक नहीं मिल पाया है। अब उन्हें महा विकास अघाड़ी का वादा ज्यादा लुभा रहा है।

वादे हैं वादों का क्या?

ठाणे की ही 23 वर्षीय छात्रा प्रीति पाटिल कहती हैं, 'मैं इन ऑफर्स पर सिर्फ इसलिए भरोसा नहीं कर सकती, क्योंकि ये चुनाव से पहले दिए गए हैं। पहले तो पार्टियां बड़े-बड़े वादे करती हैं और फिर बाद में उन्हें 'राजनीतिक जुमला' या 'प्रिंटिंग मिस्टेक' बताकर भुला देती हैं।'

किसके वादे में दम, कौन बाद में कर सकता बेदम?

महिला वोटरों के रुझान को समझना किसी भी राजनीतिक दल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे एक बड़ा और प्रभावशाली मतदाता वर्ग हैं। आपके दिए गए संदर्भ से यह स्पष्ट होता है कि महिलाएं अब सिर्फ वादों या चुनावी घोषणाओं के आधार पर फैसला नहीं करतीं। उनकी प्राथमिकता उन योजनाओं पर है जो न केवल व्यावहारिक हों, बल्कि समयबद्ध और भरोसेमंद तरीके से लागू की जा सकें। प्रतिमा जैसे मतदाताओं का दृष्टिकोण इस बात को उजागर करता है कि वित्तीय स्थिरता और नियमितता उनके लिए एक महत्वपूर्ण कारक है। उदाहरण के तौर पर, यदि एक योजना हर महीने 1,500 की निश्चित सहायता प्रदान कर रही है, तो यह एक अनिश्चित और अस्थायी वादे से अधिक प्रभावी लगती है। यह न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करता है, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और मानसिक शांति भी लाता है।

दिंडोशी में सुनील प्रभु और संजय निरुपम का मुकाबला

कांटे की टक्कर
अमित बृज

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 की VIP सीटों में शामिल दिंडोशी में पूर्व सांसद संजय निरुपम व मौजूदा विधायक सुनील प्रभु के बीच टक्कर है। महायुति और महाविकास के ये दोनों प्रत्याशी हिंदू समुदाय से हैं, मगर दिंडोशी चुनाव में मुसलमानों वोटरों को लुभाने के लिए उर्दू में भी चुनाव पर्चे छपवाए हैं।

दिंडोशी विधानसभा चुनाव उम्मीदवार

मुंबई उपनगरीय जिले मलाड में स्थित दिंडोशी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से साल 2024 के विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) ने विधायक सुनील प्रभु पर एक बार फिर भरोसा जताया है जबकि एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट ने संजय निरुपम को अपना उम्मीदवार बनाया है। निरुपम राज्यसभा के सांसद रह चुके हैं। अन्य दावेदारों में प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अगाड़ी से राजेंद्र तानाजी ससाने और अजीत पवार के एनसीपी गुट से नरहरि जिरवाल हैं। शरद पवार की पार्टी एनसीपी ने सुनीता चारोस्कर को मैदान में उतारा है।

सुनील प्रभु ने उर्दू में छपवाए पर्चे

महाविकास अघाड़ी का हिस्सा शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार सुनील प्रभु ने भी उर्दू में पर्चे छपवाए हैं, जिन पर लिखा है-'2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर दिन बुधवार को होगा। महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना उद्धव गुट, राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार गुट, समाजवादी और कई अन्य पार्टी मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं। शिवसेना के उम्मीदवार सुनील प्रभु ने विधायक रहते मुसलमानों और मुस्लिम इलाके के लिए काम किये हैं। इस बार तीसरी दफा चुनावी रण में हैं। मुस्लिम मतदाताओं से अपील है कि तीन नंबर का बटन दबाकर सुनील प्रभु को भारी मतों से विजयी बनाएं।'

दिंडोशी विधानसभा चुनाव परिणाम

दिंडोशी विधानसभा चुनाव 2019 में शिवसेना के सुनील प्रभु विजयी हुए थे। 2019 में सुनील प्रभु ने 44,511 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। इनको कुल 82,203 वोट मिले, जो 52.61% वोट शेयर था। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एनसीपी की विद्या चव्हाण को 37,692 वोट मिले थे। दिंडोशी विधानसभा चुनाव 2014 में सुनील प्रभु को 56,577 वोट मिले थे, जिनका वोट शेयर 35.47% था। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार राजहंस सिंह को 25,339 वोटों के अंतर से हराया था। कुल वैध वोट 1,58,379 थे।

दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता

साल 2019 के चुनावों में दिंडोशी विधानसभा क्षेत्र में कुल 1,56,300 पंजीकृत मतदाता थे। इनमें 91,869 पुरुष और 64,187 महिला मतदाता हैं। तुलनात्मक रूप से पिछले चुनाव वर्ष 2014 में मतदाताओं की संख्या 1,59,556 थी, जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 94,123 और महिला मतदाताओं की संख्या 65,141 थी। उस समय मतदान प्रतिशत थोड़ा कम यानी 53.63% था।

दिंडोशी विधायक की सूची

साल 2019 और 2014 में सुनील प्रभु ने जीत दर्ज की। 2009 में कांग्रेस के राजहंस सिंह धनंजय सिंह ने जीत हासिल की थी। इससे पहले विधायक बने वालों में देवताले संजय वामनराव शामिल हैं, जिन्होंने 1995 से 2004 के बीच कांग्रेस के टिकट पर लगातार जीत दर्ज की। पूर्व में मोरेश्वर विट्ठलराव तेमुर्डे निर्दलीय विधायक बने चुके हैं।

इनके नाम पर वोट मांग रहे संजय निरुपम

दिंडोशी विधानसभा चुनाव 2024 में संजय निरुपम ने उर्दू में पर्चा छपवाकर वोट देने की अपील की है। पर्च में सांसद रहते इलाके की मस्जिद का मामला हल करना, मुस्लिम बच्चियों को मौलाना आजाद छात्रवृत्ति दिलाना, निर्दोष मुस्लिम बच्चों को जेल से छुड़ाना, हिंदू मुस्लिम सौहार्द्र बनाये रखने की कोशिश करना व मुस्लिम महिलाओं को लाडली बहना योजना का फायदा दिलाने का जिक्र किया है।